महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 255 | उज्जैन, मंगलवार 24 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

भरोसा बहुत भारी होता हैं इसलिए, इसे हर किसी के कंधों पर नहीं रखा जा सकता..

पारिस्थितिकी तंत्र में सहयोगी पशु पक्षियों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री डॉ यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लुप्तप्राय प्रजातियों के 5 गिद्धों को हलाली डेम जल क्षेत्र में किया मुक्त

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को हलाली डेम क्षेत्र में लुप्तप्राय प्रजाति के 5 गिद्ध को प्राकृतिक आवास में मुक्त किया। इनमें चार भारतीय गिद्ध (जिप्स इंडिकस) और एक सिनेरियस गिद्ध (एजिपीयस मोनाकस) शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र में सहयोगी पशु पक्षियों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मध्यप्रदेश जहां बाघ, तेंदुआ और अन्य वन्य प्राणियों की सर्वाधिक संख्या वाला राज्य है वहीं गिद्ध संरक्षण में भी देश में प्रथम है। मध्यप्रदेश में सभी प्रांतों से अधिक संख्या में गिद्ध पाए जाते हैं। इनमें प्रवासी गिद्ध भी शामिल हैं। पारस्थितिकी तंत्र में इन पक्षियों का विशेष योगदान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को गिद्ध पक्षी संरक्षण के प्रयासों के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर बताया गया कि उच्च परिशुद्धता वाले जीपीएस-जीएसएम उपग्रह ट्रांसमीटरों से सुसज्जित पाँच दुर्लभ प्रजाति के गिद्धों को भोपाल स्थित गिद्ध संरक्षण प्रजनन केंद्र में व्यवस्थित अनुकूलन और अवलोकन अवधि के बाद मुक्त किया गया है। टैगिंग प्रक्रिया सभी संबंधित संस्थाओं एवं वन विभाग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वाइल्डलाइफ एसओएस के वन्यजीव पशु चिकित्सक की देख-रेख में हुई है। यह पहल मध्य भारत के विकसित होते 'गिद्ध परिदृश्य' को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जहाँ भारतीय गिद्ध सामान्यतः एक ही क्षेत्र में रहते हैं, वहीं सिनेरियस गिद्ध मध्य एशियाई फ्लाई-वे के अंतर्गत लंबी दूरी का प्रवास करते हैं, जो 30 से अधिक देशों तक फैला विश्व का एक प्रमुख प्रवासी पक्षी गलियारा है।

गिद्ध संरक्षण एवं पक्षी संरक्षण के प्रयास- पक्षी संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मध्यप्रदेश के वन विभाग ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया और बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी के सहयोग से गिद्धों की गतिविधियों और निगरानी के लिए उपग्रह टेलीमेट्री कार्यक्रम प्रारंभ किया है। टेलीमेट्री से प्राप्त आंकड़ों के माध्यम से गिद्धों के भू-दृश्य उपयोग, आवागमन पैटर्न और मानव-जनित दबावों के प्रति उनकी प्रतिक्रिया के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है। इससे प्रमुख पड़ाव स्थलों और भोजन क्षेत्रों की पहचान, संरक्षित एवं मानव-प्रधान क्षेत्रों में उनकी पारिस्थितिकी को समझने तथा बिजली के झटके, विषाक्तता और आवास क्षरण जैसे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करने में सहायता मिल रही है। इस प्रक्रिया में संग्रहित वैज्ञानिक प्रमाण अधिक प्रभावी खतरा-निवारण रणनीतियाँ विकसित करने और सीमा-पार सहयोग सहित भू-दृश्य स्तर पर संरक्षण योजनाओं को सशक्त बनाने में सहायक होंगे।

मध्यप्रदेश में उपग्रह टेलीमेट्री से गिद्ध संरक्षण की एकीकृत डेटा-आधारित एवं भू-दृश्य स्तरीय संरक्षण का पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हुआ है। इससे लुप्तप्राय गिद्ध प्रजातियों का संरक्षण होगा और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के प्रहरी के रूप में उनकी भूमिका भी दीर्घकालिक रूप से सुनिश्चित होगी।

भारतीय परंपरा में गिद्धों को शक्ति और सम्मान का प्रतीक माना गया है। रामायण में उल्लेख है कि जटायु ने रावण से माता सीता की रक्षा के प्रयास में आत्मोत्सर्ग कर दिया। रामायण में ही उसके भाई सम्पाती की भी कथा है, जिसने अपने छोटे भाई जटायु को सूर्य की तपन से बचाते हुए बलिदान दे दिया था। पर्यावरण पारिस्थितिकी तंत्र में गिद्ध प्रकृति के सफाईकर्मी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गिद्ध पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं, साथ ही बीमारियों के प्रसार को रोकने में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। मध्यप्रदेश लंबे समय से देश में गिद्धों की समृद्ध आबादी का केंद्र रहा है। प्रदेश में भारतीय गिद्ध (लॉन्ग-बिल्ड वल्चर), सिनेरियस गिद्ध (ब्लैक वल्चर), मिस्र गिद्ध (व्हाइट स्कैवेंजेर वल्चर) और हिमालयन ग्रिफॉन जैसी प्रजातियाँ पाई जाती हैं। हाल ही में वल्चर एस्टिमेशन-2026 के पहले दिन दक्षिण पन्ना वन प्रभाग में एक हजार से अधिक गिद्धों का अवलोकन किया गया, जो हाल के वर्षों में सर्वाधिक संख्या है।

न्यूज ब्रीफ

कोर बिजनेस पर ध्यान दें..., ग्राहकों को जबरन इंश्योरेंस बेचने वाले बैंकों पर भड़कीं वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली/ जीएनएस। ग्राहकों को गलत सूचना देकर बैंकिग व बीमा उत्पाद बेचने की लगातार आ रही सूचनाओं पर आज वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों को जम कर सुनाई। वित्त मंत्री सीतारमण ने बैंकों के स्तर पर मिस-सेलिंग को रोकने में असफल रहने पर बैंकों को भी आड़े हाथों लिया और कहा कि, बैंक अपने मुख्य व्यवसाय (कोर बिजनेस) पर ध्यान दें और मिस-सेलिंग (गलत तरीके से उत्पाद बेचना) बंद करें। उन्होंने विशेष रूप से बीमा उत्पादों की जबरदस्ती या गलत तरीके से बिक्री पर नाराजगी जताई। वित्त मंत्री ने सोमवार को बजट बाद आरबीआई के निदेशक बोर्ड के साथ होने वाली बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उक्त बातें कहीं। इस अवसर पर आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा, मेरी पुरानी शिकायत रही है कि बैंक बीमा बेचने में ज्यादा समय लगाते हैं, जबकि यह जरूरी नहीं होता। कई ग्राहकों से होम लोन के साथ अनावश्यक बीमा खरीदवाया जाता है, जबकि संपत्ति पहले से गिरवी रखी होती है और ग्राहक के पास पहले से बीमा हो सकता है। पहले आरबीआई और आईआरडीएआइ के बीच रेगुलेटरी गैप थी, जिससे ग्राहक परेशान होते थे। वित्त मंत्री की यह टिप्पणी तब आई है जब सोशल मीडिया पर लगातार भुक्तभोगी ग्राहकों की तरफ से अपनी आपबीती डाली जा रही है कि कैसे बैंक अधिकारी सामान्य बैंकिंग सेवा देने की जगह बीमा बेचने पर ज्यादा ध्यान देते हैं। यह भी याद दिला दें कि 11 फरवरी, 2026 को आरबीआई की तरफ से भी मिस-सेलिंग पर सख्त दिशानिर्देश जारी किए हैं और इस बारे में बैंकों के दायित्व तय किये गये हैं। वित्त मंत्री ने आरबीआई की तरफ से जारी दिशानिर्देश पर खुशी का इजहार किया और कहा कि इससे बैंकों को यह स्पष्ट संदेश जाएगा कि वह मिस-सेलिंग नहीं कर सकते। वित्त मंत्री से भारत में सोने की कीमतों में लगातार हो रही वृद्दि के बारे में भी सवाल पूछा गया तो उनका इसके लिए दुनिया भर में केंद्रीय बैंकों की तरफ से की जा रही खरीददारी को कारण बताया और कहा कि सरकार की नजर इस पर है लेकिन कोई खास चिंता की बात नहीं है।

उत्तराखंड में 147 पाकिस्तानियों को मिली नागरिकता, छह अफगानी भी बने भारतीय

देहरादून/ जीएनएस। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के तहत उत्तराखंड में रह रहे 153 हिंदू शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्रदान किए जाने की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। अब यह भारतीय नागरिक माने जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय और राज्य के गृह विभाग द्वारा विस्तृत जांच-पड़ताल के बाद पाकिस्तान से आए 147 और अफगानिस्तान से आए 6 व्यक्तियों के नागरिकता संबंधी आवेदन स्वीकृत करते हुए इन्हें नागरिकता प्रदान की गई है। वहीं, इस समय केंद्र के पास 45 आवेदन लंबित हैं। इनमें पाकिस्तान से आए व्यक्तियों के 42 और बांग्लादेश से आए व्यक्तियों के तीन आवेदन शामिल हैं। केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में नागरिकता अधिनियम 1955 में संशोधन करते हुए सीएए लागू किया था, जिसे संसद से पारित होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी मिली। इस कानून के तहत 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत में शरण लेने वाले हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदाय के लोग को नागरिकता देने का प्रविधान किया गया। इस प्रविधान के लागू होने के बाद उत्तराखंड में निवास कर रहे पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान से आए व्यक्तियों ने भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन किया। इसमें पाकिस्तान से 189, अफगानिस्तान से आए छह, और बांग्लादेश से आए तीन व्यक्तियों ने आवेदन किया था।

सामाजिक बुराई का सबसे घिनौना उदाहरण..., कन्या भ्रूण हत्या पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने देश में महिलाओं और विशेष रूप से बालिकाओं के साथ होने वाले भेदभाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है। सोमवार को एक महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि देश के कई हिस्सों में लैंगिक भेदभाव आज भी व्यापक रूप से व्याप्त है और कन्या भ्रूण हत्या इस सामाजिक बुराई का सबसे क्रूर और घिनौना उदाहरण है।

जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने गुरुग्राम के एक रेडियोलॉजिस्ट के खिलाफ पीसीपीएनडीटी अधिनियम, 1994 के तहत दर्ज मामले को रद करने से इनकार करते हुए यह टिप्पणी की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कन्या भ्रूण हत्या जैसे अपराध की पहली सीढ़ी गर्भस्थ शिशु के लिंग का निर्धारण करना है, जिसे कानूनन अपराध घोषित किया गया है।

लिंग चयन व रिकॉर्ड का रखरखाव अनिवार्य- कोर्ट ने कहा कि संसद ने न केवल लिंग निर्धारण और चयन को गैरकानूनी घोषित किया है, बल्कि गर्भाधान पूर्व और प्रसव पूर्व सभी संबंधित तकनीकों पर भी कड़ा प्रतिबंध लगाया है। पीठ के अनुसार, निर्धारित प्रारूप में रिकार्ड बनाए रखना अनिवार्य है। रिकार्ड न रखना पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत एक दंडनीय अपराध है। इस मामले में रेडियोलॉजिस्ट पर आरोप था कि उसने गर्भवती महिला की अल्ट्रासोनोग्राफी की थी, लेकिन रिकॉर्ड सही तरीके से नहीं रखे गए। कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए कहा कि यह मामला अभी ट्रायल (मुकदमे) के अधीन है और इसे शुरुआत में ही खत्म नहीं किया जा सकता। ट्रायल के दौरान ही यह तय होगा कि आरोपित ने कानून के मुताबिक रिकॉर्ड रखा था या नहीं।

अनुच्छेद 21 और गिरते लिंगानुपात पर चिंता- सुप्रीम कोर्ट ने रेखांकित किया कि पीसीपीएनडीटी अधिनियम का मुख्य उद्देश्य देश में गिरते लिंगानुपात को रोकना और लिंग चयन पर अंकुश लगाना है। पीठ ने चेतावनी दी कि लिंगानुपात में असंतुलन से महिलाओं के खिलाफ हिंसा, तस्करी और वधू-खरीद (ब्राइड-बाइंग) जैसी कुरीतियों में वृद्धि होने की संभावना रहती है।

कोर्ट ने इस कानून को मानवीय अधिकारों से जोड़ते हुए कहा कि इस अधिनियम का पूरा ध्यान भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत बालिकाओं के जीवन के अधिकार की रक्षा करना है। यह कानून न केवल अपराध रोकने के लिए है, बल्कि एक भेदभाव मुक्त दुनिया के वैश्विक दृष्टिकोण के साथ तालमेल बिठाने का एक प्रयास भी है।

तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त नहीं हुआ, जमीन पर हुई मामूली तकनीकी खराबी

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय वायु सेना के एक लड़ाकू विमान तेजस के इस माह की शुरुआत में दुर्घटनाग्रस्त होने की चल रही खबरों के बीच इस स्वदेशी लाइट काम्बैट एयरक्राफ्ट की निर्माता हिंदुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने अपने प्रतिक्रिया में कहा है कि ऐसा कुछ नहीं हुआ। यह जमीन पर हुई एक मामूली सी तकनीकी खराबी थी और इसकी जांच चल रही है। एचएएल के प्रवक्ता ने पोस्ट में लिखा- आधुनिक लड़ाकू विमानों में तेजस जेट का सुरक्षा रिकॉर्ड दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विमान सुरक्षा रिकार्डों में से एक है। मानक संचालन प्रक्रिया के तहत इस प्रकरण की जांच की जा रही है। इस समस्या के समाधान के लिए एचएएल वायु सेना के साथ मिलकर काम कर रहा है। सूत्रों के हवाले से रविवार को खबर आई थी कि वायु सेना का एक तेजस जेट सात फरवरी को एक अग्रिम एयरबेस पर रनवे से आगे निकल गया था। इससे इसके एयरफ्रेम को काफी नुकसान हुआ। हादसा ब्रेक फेल होने की वजह से हुआ।

पूर्वी गोदावरी में मिलावटी दूध से 4 की मौत, सीएम नायडू ने किया 10 लाख मुआवजे का एलान

नई दिल्ली/ जीएनएस। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में एक अनधिकृत विक्रेता द्वारा बेचे गए मिलावटी दूध के सेवन से पिछले 48 घंटों में चार लोगों की मौत हो गई। इन मौतों पर दुख व्यक्त करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की।

पुलिस के अनुसार, दूषित दूध का सेवन करने के बाद दो लोगों की मौत रविवार को हुई, जबकि दो अन्य लोगों ने सोमवार को दम तोड़ दिया। इसके अलावा 12 और पीड़ितों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, दूषित दूध के कारण गुर्दे खराब होने से मौत हो गई। पूर्वी गोदावरी जिले की जिलाधिकारी कीर्ति चेकुरी ने बताया कि विशेष प्रतिक्रिया दल घर-घर जाकर सर्वेक्षण कर रहे हैं और प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि डायलिसिस की आवश्यकता वाले 12 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि दूध के स्थानीय विक्रेता को हिरासत में लिया गया है।

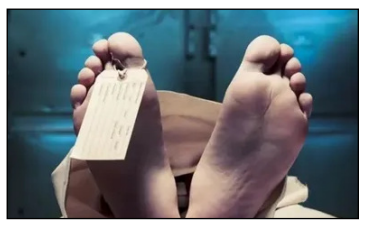

कोई कमीशन नहीं, हर किलोमीटर का फिक्स किराया... अमित शाह ने गिनाए भारत टैक्सी के फायदे

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सहकारी मॉडल की कैब सेवा भारत टैक्सी अपने चालकों के लिए प्रति किलोमीटर न्यूनतम आधार किराया सुनिश्चित करेगी। उन्होंने मौजूदा राइड-हेलिंग एग्रीगेटर कंपनियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने मुनाफा बढ़ाने के लिए जानबूझकर कोई न्यूनतम मानक तय नहीं किया, जिससे ड्राइवरों की आय अस्थिर बनी रहती है।

सरकार का लक्ष्य दो वर्षों में 15 करोड़ ड्राइवरों को जोड़ना और तीन वर्षों के भीतर देश के नगर निगम वाले सभी शहरों में सेवा का विस्तार करना है। फिलहाल यह सेवा दिल्ली-एनसीआर और गुजरात के राजकोट में संचालित हो रही है। दिल्ली में सोमवार को आयोजित संवाद कार्यक्रम में शाह ने स्पष्ट किया कि भारत टैक्सी का उद्देश्य निजी कंपनियों की तरह अधिकतम लाभ कमाना नहीं है, बल्कि श्रम करने वालों को मुनाफे में साझेदार बनाना है। शाह ने कहा कि प्लेटफॉर्म की कुल आय का 80 प्रतिशत हिस्सा ड्राइवरों को उनके द्वारा तय की गई दूरी के आधार पर लौटाया जाएगा, जबकि शेष 20 प्रतिशत सहकारी पूंजी के रूप में रखा जाएगा। शुरुआती तीन वर्षों तक यह राशि विस्तार और संरचना मजबूत करने में लगेगी। इसके बाद भी लाभांश का यही अनुपात रहेगा। किराये की गणना वाहन लागत, ईंधन खर्च और न्यूनतम लाभ को ध्यान में रखकर की जाएगी और इससे नीचे संचालन नहीं होगा।

भारत के दुश्मनों का काल बनेगी 'गोल्डन हेरोइजन', इजरायल ने दिया ऑफर; ब्रह्मोस से भी तेज

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी इजरायल यात्रा लगातार दोनों देशों के बीच में चर्चा का विषय बनी हुई है। पिछले आठ सालों में पीएम की यह पहली इजरायल यात्रा होगी। इस यात्रा में रक्षा, एनर्जी और एआई के क्षेत्र में बड़े समझौते होने की संभावना है। इसी बीच ऐसी खबरें सामने आई हैं कि इजरायल ने भारत को अपनी सबसे तेज मिसाइस सिस्टम में से एक गोल्डन हेरोइजन देने की पेशकश की है। हालांकि, अभी तक इस पर इजरायल या भारत की तरफ से आधिकारिक पुष्टि नहीं आई है।

लगातार हमास के साथ युद्ध में उलझे इजरायल ने अपने मिसाइल सिस्टम को पहले से भी काफी ज्यादा मजबूत किया है। इसी क्रम में उसने गोल्डन हेरोजाइन नामक एक एयर लॉन्च्ड बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम पर भी काम शुरू किया था, हालांकि इस पर आधिकारिक जानकारी बहुत सीमित है।

अक्तूबर 2024 में इजरायल द्वारा ईरान पर हमला करने के ठीक पहले लीक हुए अमेरिकी दस्तावेजों के मुताबिक इजरायल दो प्रणालियों पर काम कर रहा था। इसमें गोल्डन हेरोजाइन और रॉक्स सामिल है। गोल्डन हेरोजाइन इजरायल की वायुसेना की ताकत को और भी ज्यादा बढ़ाती है।इसकी रेंज की बात की जाए तो इसकी अनुमानित मारक क्षमता ककरीब 1,500 से 2,000 किलोमीटर के बीच बताई जाती है।

फर्स्ट पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक एक विशेषज्ञ ने बताया कि इस मिसाइल सिस्टम की रेंज इतनी है कि इजरायली विमान ईरानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश किए बिना तेहरान को निशाना बना सकते हैं। कुछ रक्षा विशेषज्ञों का अनुमान है कि लड़ाकू विमान से दागे जाने पर इसकी प्रभावी रेंज लगभग 800 किलोमीटर हो सकती है।

पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष में भारतीय वायुसेना ने अपनी महत्वता को बड़ी ही अच्छी तरह से प्रदर्शित किया था। भारतीय मिसाइलों ने पाकिस्तान में घुसकर जमकर तबाही मचाई थी। हालांकि अब भारत इसे और भी ज्यादा मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक गोल्डन हेरोजाइन भारतीय वायुसेना के सुखोई30 एमकेआई लड़ाकू विमानों के साथ सही से लगाए जा सकते हैं, ऐसे में भारत अगर इनकी खरीद को मंजूरी देता है, तो यह वायुसेना की क्षमता को बढ़ाएगा।

थप्पड़ मारने पर श्रमिक ने किया था मर्डर, एक नाबालिग समेत तीन आरोपी दबोचे गए

नई दिल्ली/ जीएनएस। नरेला औद्योगिक क्षेत्र में थप्पड़ मारने का बदला लेने के लिए श्रमिक ने दोस्तों के साथ मिलकर फैक्ट्री मालिक की हत्या कर दी थी। पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग समेत तीन आरोपितों को पकड़ा है।

मुख्य आरोपित समेत एक अन्य आरोपित फरार है। पुलिस इन्हें पकड़ने के लिए इनके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पकड़े गए आरोपितों के कब्जे से पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल दो चाकू और दो बाइक बरामद की है। उत्तर पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 20 फरवरी की रात नरेला औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री मालिक पर चाकू से हमला कर हत्या की जानकारी मिली थी। पुलिस के अस्पताल पहुंचने पता चला कि डाक्टरों ने गौतम कालोनी निवासी 28 वर्षीय रवि सिंह को मृत घोषित कर दिया है।

जांच में पता चला कि गौतम कॉलोनी निवासी रवि का चौधरी एंटरप्राइजेज के नाम से जे ब्लाक में फैक्ट्री थी। रात में वह अपनी बाइक से फैक्ट्री से घर के लिए निकले थे। इसी दौरान आधा दर्जन से अधिक लोगों ने उनपर चाकू से हमला कर दिया।

अब महाकाल की नगरी उज्जैन अवंतिका नगर में

DIPL
SINCE 1991

Innovative Design
Superior Materials
Exceptional Craftsmanship
VISIT US : WWW.DEVSHILP.COM

देवशिल्प इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड
No. 140, 1st Floor. सी-21, नानाखेड़ा, उज्जैन (म.प्र.)

हमारे कार्यालय में एक बार अवश्य पधारे

होटल्स, बंगला, फॉर्म हाउस, स्कूल, हॉस्पिटल, रेस्टोरेंट, शॉप आदि बनवाने के लिए संपर्क करें।

What is the DIPL ?

हमारी खासियत क्या है ?
हम भारत के विभिन्न भागो में हमारी कम्पनी हर तरह का प्रोजेक्ट करती है।
और हमारी हर जगह टीम तैयार रहती है।
जैसे सिविल पैरोकेक्ट में हमारे पास सभी तरह के अनुभवी इंजीनियर और सुपरवाईजर टायर रहते है और भारत विभिन्न भागों में हम कार्य करते है और अभी हमारी सर्विस अवन्तिका नगरी उज्जैन में भी तैयार है मित्रों हम हर वक्त तैयार रहते है।
जैसे
कॉनसेक्शन इंटीरियर एक्सटीरियर

संतोष सौराष्ट्रीय
93031-92711

बाबा महाकाल की असीम कृपा से हमारे कार्यालय में एक बार अवश्य पधारे व हमको आपकी सेवा का मौका देवे

श्रीमती कृष्णा सुथार
99072-83928

ग्रीष्मकाल से पूर्व जलप्रदाय व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश, पीपीपी मॉडल पर वॉटर एटीएम होंगे संचालित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी ग्रीष्मकाल एवं वर्षाऋतु को दृष्टिगत रखते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा महापौर सभाकक्ष में जलप्रदाय विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा, अपर आयुक्त आशीष कुमार पाठक, कार्यपालन यंत्री, विभाग प्रमुख, सहायक यंत्री, उपयंत्री सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य गर्मी और वर्षा के मौसम में नागरिकों को निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करना रहा।

बैठक के दौरान अमृत योजना 1.0 एवं 2.0 अंतर्गत संचालित कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। सम्पवेल निर्माण, नई पानी की टंकियों का निर्माण, डायरेक्ट जलप्रदाय व्यवस्था, दूषित जल की समस्या के निराकरण तथा विभिन्न जल पंपिंग स्टेशनों की कार्यप्रणाली पर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रीष्मकाल से पूर्व सभी आवश्यक संधारण एवं मरम्मत कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं ताकि किसी प्रकार का जल संकट उत्पन्न न हो।

फलबाग क्षेत्र में निर्माणाधीन सम्पवेल कार्य की विशेष समीक्षा करते हुए महापौर ने अधिकारियों को दो से तीन शिफ्ट में कार्य संचालित कर आगामी तीन माह में निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधूरे कार्यों के कारण नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

महापौर ने Indore 311 एप एवं ष्टरू Helpline के माध्यम से प्राप्त दूषित पानी एवं जलप्रदाय बाधित होने संबंधी शिकायतों की समीक्षा करते हुए त्वरित और स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मॉनिटरिंग व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर भी जोर दिया गया।

ग्रीष्मकाल के दौरान नागरिकों को शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पूर्व में स्थापित वॉटर कूलरों के संधारण कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा आवश्यक स्थानों पर नए वॉटर कूलर स्थापित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से पीपीपी मॉडल पर वॉटर एटीएम स्थापित करने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में Larsen & Toubro द्वारा किए जा रहे जलप्रदाय कार्यों की गुणवत्ता की भी समीक्षा की गई। महापौर ने स्पष्ट किया कि संधारण कार्यों के पश्चात रेस्टोरेशन कार्य निर्धारित समय-सीमा में और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं। सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों को पूर्ववत स्थिति में लाना कंपनी की जिम्मेदारी है और किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक के अंत में महापौर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों को निर्बाध, स्वच्छ एवं पर्याप्त जलप्रदाय उपलब्ध कराना है। सभी अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करते हुए ग्रीष्मकाल पूर्व तैयारियां पूर्ण करें, ताकि इंदौर शहर में जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो।

इंदौर पुलिस की डिजिटल स्ट्राइकः ड्रोन से हुई राजवाड़ा, विजयनगर और एमआईजी में ट्रैफिक की विशेष निगरानी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और सुचारु बनाने के लिए इंदौर पुलिस अब स्मार्ट पुलिसिंग का सहारा ले रही है। इसी कड़ी में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में रविवार, 22 फरवरी की रात 9 बजे शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में शामिल राजवाड़ा, विजयनगर और एमआईजी क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से विशेष सर्विलांस कार्यवाही की गई। इस डिजिटल पेट्रोलिंग का मुख्य उद्देश्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात को व्यवस्थित करना और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर पैनी नजर रखना था।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह और पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के दौरान हाई-रेजोल्यूशन ड्रोन कैमरों का उपयोग किया गया। ड्रोन से प्राप्त लाइव फुटेज की सीधे कंट्रोल रूम में मॉनिटरिंग की गई, जिसके आधार पर वहां तैनात मैदानी अधिकारियों और पुलिस बल को तत्काल आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस विशेष निगरानी के दौरान पुलिस ने उन वाहन चालकों और दुकानदारों को चिन्हित किया जो यातायात में बाधक बन रहे थे। ड्रोन कैमरों की मदद से नो-पार्किंग में खड़े वाहनों, गलत दिशा (रॉन्ग साइड) में वाहन चलाने वालों और लेफ्ट टर्न को बाधित करने वाले चालकों पर त्वरित कार्यवाही की गई। इसके साथ ही दुकानों के सामने अनावश्यक भीड़ एकत्रित कर मार्ग अवरुद्ध करने वाली गतिविधियों पर भी शिकंजा कसा गया। मौके पर मौजूद पेट्रोलिंग टीम ने ड्रोन से प्राप्त संकेतों के आधार पर तत्काल चालानी कार्यवाही भी सुनिश्चित की।

इंदौर पुलिस ने इस कार्यवाही के माध्यम से नागरिकों से अपील की है कि वे शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने में सहयोग करें और नियमों का उल्लंघन न करें। पुलिस का कहना है कि शहर में डिजिटल निगरानी प्रणाली पूरी तरह सक्रिय है और आने वाले समय में भी ड्रोन फुटेज के आधार पर नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

इंदौर की ग्रामीण महिलाओं के हुनर से सजेगा 'होली के रंग आजीविका के संग' महोत्सव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। होली के पावन पर्व को खास बनाने और स्व सहायता समूह से जुड़ी ग्रामीण महिला उद्यमियों को सशक्त मंच प्रदान करने के लिए इंदौर जिला पंचायत द्वारा 'होली के रंग आजीविका के संग' महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी सह-विक्रय कार्यक्रम 28 फरवरी और 1 मार्च 2026 को शहर के हृदय स्थल ग्रामीण हाट बाजार, ढक्कन वाला कुआं, साऊथ तुकोगंज पर आयोजित होगा।

इस महोत्सव में इंदौर जिले और इंदौर संभाग के विभिन्न विकासखंडों की ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूहों (स्ातह्य) द्वारा तैयार किए गए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय किया जाएगा। महोत्सव का मुख्य आकर्षण पूरी तरह से प्राकृतिक और हर्बल गुलाल होगा, जिसे महिलाओं ने फूलों और प्राकृतिक तत्वों से तैयार किया है।

क्या होगा खास- शुद्ध और स्वदेशी उत्पाद मिलेंगे।
हर्बल गुलाल एवं रंग- रसायनों से मुक्त प्राकृतिक रंग।
हस्तशिल्प- घर की सजावट के पारंपरिक सामान।
खाद्य पदार्थ- शुद्ध मसाले, पापड़, अचार और अन्य क्षेत्रीय व्यंजन।
परिधान- महिलाओं द्वारा निर्मित आकर्षक वस्त्र और अन्य सामग्री।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को बढ़ावा देना और उनके द्वारा निर्मित उत्पादों को सीधा बाजार उपलब्ध कराना है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से शहरवासी सीधे उत्पादकों से जुड़ सकेंगे, जिससे वोकल फॉर लोकल अभियान को मजबूती मिलेगी।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने समस्त शहरवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इन महिलाओं का उत्साहवर्धन करें और स्वदेशी उत्पाद खरीदकर उनकी आजीविका में सहभागी बनें।

सफाई व्यवस्था पर आयुक्त का सख्त रुख, वार्ड 62 के दारोगा रवि खोड़े निलंबित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा आज प्रातःकाल विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अपर आयुक्त आकाश सिंह एवं संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

आयुक्त ने सर्वप्रथम नौलखा लोहा मंडी क्षेत्र का निरीक्षण किया, जहां साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। इसके बाद जोन क्रमांक 12 के वार्ड क्रमांक 62 में गाड़ी अड्डा ब्रिज के पास बड़ी मात्रा में कचरा पाए जाने और सफाई व्यवस्था में लापरवाही सामने आने पर वार्ड 62 के दारोगा रवि खोड़े को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संबंधित सीएसआई पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नियमित एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए।

आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि बाजार क्षेत्र शहर की आर्थिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र होते हैं, इसलिए यहां स्वच्छता और सुव्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखी जानी चाहिए।

इसके पश्चात आयुक्त द्वारा नंदलालपुरा क्षेत्र स्थित वीर सावरकर फ्रूट मार्केट, पालिका प्लाजा मार्केट, डीआरपी लाइन, सुभाष नगर, शास्त्री मार्केट, मालगंज चौराहा मार्केट सहित आसपास के क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आयुक्त ने समस्त जोन नियंत्रणकर्ता अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने आवंटित क्षेत्रों में प्रतिदिन प्रातःकालीन मॉनिटरिंग करें और यह सुनिश्चित करें कि सफाई व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के थानों का जनवरी माह का मूल्यांकन परिणाम जारी, विजयनगर प्रथम तो सेंट्रल कोतवाली अंतिम स्थान पर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और बेहतर पुलिसिंग को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा थानों के कार्यों की मानकीकृत मूल्यांकन प्रणाली के तहत जनवरी माह का परिणाम जारी कर दिया गया है। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में शुरू की गई इस व्यवस्था का उद्देश्य पुलिस थानों के कार्य निष्पादन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी, उत्तरदायी और जनोन्मुखी बनाना है। जनवरी माह में सभी 32 पुलिस थानों के कार्यों की समीक्षा संबंधित ज़ोन की डीसीपी की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा निर्धारित मापदंडों के आधार पर की गई। मूल्यांकन में अपराध नियंत्रण, लंबित प्रकरणों का निराकरण, जनसंतुष्टि, नवाचार, आमजन से संवाद और अन्य प्रशासनिक पैरामीटर्स को शामिल किया गया। जारी परिणामों के अनुसार ज़ोन-02 के थाना विजयनगर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे कमिश्नरेट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं ज़ोन-03 का थाना सेंट्रल कोतवाली निर्धारित मापदंडों पर सबसे कमजोर प्रदर्शन के कारण अंतिम स्थान पर रहा। बेहतर प्रदर्शन करने वाले थानों के थाना प्रभारी एवं स्टाफ को प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि कमजोर प्रदर्शन वाले थाना सेंट्रल कोतवाली के थाना प्रभारी और स्टाफ को कार्यप्रणाली में सुधार हेतु विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। यदि प्रशिक्षण के बाद भी अपेक्षित सुधार नहीं होता है तो संबंधितों के विरुद्ध सख्त विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

शासकीय महिला पॉलीटेकनिक महाविद्यालय द्वारा भव्य फन फेयर का आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महिला पॉलीटेकनिक महाविद्यालय राजेन्द्र नगर द्वारा छात्राओं को तकनीकी शिक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से महाविद्यालय परिसर में पहली बार फन फेयर का आयोजन किया गया। यह आयोजन ÷तकनीक की ओर बढ़े ङ्क पॉलीटेकनिक चले÷ अभियान के अंतर्गत संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में तकनीकी कौशल के प्रति रुचि विकसित करना तथा महाविद्यालय में शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित करना है। संभागीय संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा श्रीमती नीलम निनामा द्वारा फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मेले के माध्यम से छात्राओं ने खेल-खेल में तकनीकी शिक्षा की बारीकियों एवं भविष्य की संभावनाओं को समझा। इस पहल के जरिए न केवल छात्राओं को तकनीकी शिक्षा की ओर आकर्षित किया गया, बल्कि समाज में तकनीकी शिक्षा के महत्व का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया गया। प्राचार्या श्रीमती विजया शिंदे ने बताया कि फन फेयर में 50 से अधिक स्टॉल, तकनीकी प्रदर्शनी तथा विविध मनोरंजक गतिविधियाँ आयोजित की गई, जिससे छात्राओं को रचनात्मक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण मिला।

वेस्ट से आर्ट, टैलेंट से पहचानः आर.आर.आर. टैलेंट प्रतियोगिता की अंतिम तिथि 10 मार्च, चयनित प्रतिभागियों का वार्ड स्तर पर होगा सम्मान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और वेस्ट मैनेजमेंट के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नगर निगम इंदौर द्वारा ÷वेस्ट से आर्ट, टैलेंट से पहचान÷ थीम पर आर.आर.आर. टैलेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार स्वच्छता अभियान के अंतर्गत निरंतर नवाचार किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य शहर में स्वच्छता और रीसायक्लिंग के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाना है।

यह प्रतियोगिता इंदौर नगर निगम द्वारा आयोजित की जा रही है, जिसमें शहर के स्कूल, कॉलेज, निजी संस्थान, स्टार्टअप्स तथा आम नागरिक भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता का आयोजन गांधी हॉल में किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि 10 मार्च निर्धारित की गई है।

प्रतियोगिता के अंतर्गत चयनित प्रतिभागियों की उत्कृष्ट कलाकृतियों को उनके संबंधित वार्डों में नामांकित कर स्थापित किया जाएगा तथा उन्हें वार्ड स्तर पर नगर निगम द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इससे स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान मिलेगी और स्वच्छता, पुनःउपयोग एवं रीसायक्लिंग का संदेश व्यापक स्तर पर प्रसारित किया जा सकेगा।

प्रतियोगिता के लिए निर्धारित नियमों के अनुसार वेस्ट टू आर्ट की कलाकृति की ऊंचाई 6 फीट से कम नहीं होनी चाहिए और उसका निर्माण केवल बेकार अथवा पुनः उपयोग योग्य सामग्री से किया जाना अनिवार्य होगा। प्लास्टिक, धातु, लकड़ी, कागज, इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट आदि का सुरक्षित उपयोग किया जा सकता है, जबकि किसी भी प्रकार की ज्वलनशील या हानिकारक सामग्री का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। कलाकृति स्वच्छ, मजबूत और स्थिर होनी चाहिए ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। कला का विषय स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, रीसायक्लिंग या सामाजिक जागरूकता से संबंधित होना चाहिए तथा नई सामग्री का उपयोग न्यूनतम रखा जाना आवश्यक है। प्रतिभागी को अपनी कलाकृति के साथ प्रयुक्त वेस्ट सामग्री की सूची प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम और सर्वमान्य होगा तथा नियमों का उल्लंघन होने पर प्रविष्टि निरस्त की जा सकती है।

नगर निगम ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इस अनूठी पहल में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें और रचनात्मकता के माध्यम से वेस्ट मैनेजमेंट को नई पहचान दें। यह प्रतियोगिता न केवल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करेगी, बल्कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-चेतना को भी सशक्त बनाएगी।

शहर के चिन्हित हॉटस्पॉट क्षेत्रों में एयर पॉल्यूशन कम करने के लिए विशेष एक्शन प्लान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में शहर की वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में एयर क्वालिटी एक्शन प्लान की मॉनिटरिंग संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वायु प्रदूषण के प्रमुख कारणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए एयर क्वालिटी सुधार हेतु प्रभावी उपायों पर चर्चा की गई तथा संबंधित विभागों को समन्वित रूप से कार्य करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर की सड़कों का नियमित मेंटेनेंस किया जाए, जिससे सड़क से उड़ने वाली धूल को नियंत्रित किया जा सके और शहर की हवा स्वच्छ बनी रहे। समीक्षा में बताया गया कि रोड डस्ट वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण है, इसलिए इसे कम करने के लिए निरंतर कार्रवाई की जा रही है। साथ ही पराली जलाने की घटनाओं को रोकने एवं इसके प्रभावी समाधान के लिए आईआईटी इंदौर और कृषि विभाग संयुक्त रूप से कार्य कर रहे है। बताया गया कि शहर के चिन्हित हॉटस्पॉट क्षेत्रों में एयर पॉल्यूशन कम करने के लिए विशेष एक्शन प्लान लागू किया जा रहा है। धूल प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से शहर की मुख्य सड़कों पर एंड-टू-एंड रोड पेविंग एवं ब्लैक-टॉपिंग का कार्य किया जा रहा है। सड़कों को गड्ढामुक्त बनाए रखने के लिए नियमित मेंटेनेंस भी सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्य सड़कों पर सुबह 6 से 7 बजे, दोपहर 3 से 4 बजे तथा देर रात 11 बजे के बाद नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रमुख ट्रैफिक चौराहों पर मिस्ट टावर संचालित किए जा रहे हैं, जिससे हवा में मौजूद धूल कणों को कम करने में सहायता मिल रही है। धूल नियंत्रण के लिए शहर में मैकेनिकल रोड स्वीपर मशीनों के माध्यम से नियमित मैकेनाइज्ड सफाई की जा रही है।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में इंदौर जिले को बनाया जाएगा प्रदेश में अव्वल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार जन समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए सीएम हेल्पलाइन का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। इंदौर जिला वर्तमान में सीएम हेल्पलाइन के क्रियान्वयन में प्रदेश के शीर्ष पाँच जिलों में शामिल है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि समन्वित प्रयासों से जिले को प्रदेश में प्रथम स्थान पर लाया जाए।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा (टीएल) पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, एमपीआईडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन, संकल्प से समाधान अभियान सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की विभागवार समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि जिले को हाल ही में प्रदेश स्तर पर पाँचवीं रैंक प्राप्त हुई है, जिसे बेहतर बनाते हुए शीर्ष स्थान पर लाने के लिए सभी अधिकारी गंभीरता एवं जिम्मेदारी से कार्य करें। उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा तथा लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में फरवरी माह के दौरान सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बैठक में निर्देश दिए गए कि सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। शिकायतों के निराकरण में औपचारिकता न बरतते हुए वास्तविक समाधान पर ध्यान दिया जाए।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने संकल्प से समाधान अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए कहा कि अधिक से अधिक शिविर आयोजित कर सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

सही खान-पान का अभाव और बदलती जीवनशैली के कारण मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ीः संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत होगा मोटापे का उपचार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि देश में मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है। हर तीसरा-चौथा व्यक्ति इस बीमारी से ग्रस्त है। मोटापा एक ऐसा रोग है जो अपने साथ कई बीमारियों को लेकर आता है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियां मोटापे से ही पनपती है। इस बीमारी का उपचार भी सामान्यत- महंगा है। उपचार में 3-4 लाख रुपये खर्च आता है, जिसका बोझ मध्यवर्गीय परिवार के लिए भी कठिन है। समय रहते मोटापे का उपचार किया जाना चाहिए। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े आज प्रदेश के सबसे बड़े शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय इंदौर के बेरियेट्रिक एवं मेटाबॉलिक क्लिनिक का शुभारंभ अवसर पर अपना संबोधन दे रहे थे। डॉ. खाड़े ने आगे कहा कि सही खान-पान का अभाव और बदलती जीवनशैली के कारण मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है। पहले यह समस्या केवल शहरों तक ही सीमित थी, लेकिन अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी बढ़ती जा रही है। डॉ. खाड़े ने कहा कि इंदौर का शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय सेवा के क्षेत्र में अच्छे कार्य कर रहा है। यहाँ असाध्य बीमारियों के भी उपचार हो रहे हैं। इस चिकित्सालय में मेडिकल के क्षेत्र में नये-नये रिचर्स के साथ अनुसंधान के कार्य और नवाचार के कार्य भी किए जा रहे है। ऐसे अच्छे कार्यों के लिए यहाँ के डॉक्टर एवं विशेषज्ञ साधुवाद के पात्र है। अब सर्जरी विभाग में मोटापे की समस्या का न केवल बेहतर उपचार होगा, बल्कि यह संदेश प्रदेश और देश में भी फैलेगा। अच्छी बात यह है कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत मोटापे का निःशुल्क इलाज होगा, जिसका लाभ गरीब एवं कमजोर वर्ग के नागरिक भी उठा सकेंगे। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने बेरियेट्रिक एवं मेटाबोलिक क्लिनिक पर मोटापे से ग्रस्त मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद भी किया।

महात्मा गाँधी मेडिकल कॉलेज के सुपरीटेंड डॉ. अरविन्द घनघोरिया ने कहा कि महात्मा गाँधी चिकित्सालय के सर्जरी विभाग में मोटापे रोग का उपचार बहुत पहले से किया जा रहा है। पूर्व में भी कई मरीज इसका लाभ ले चुके है, अब यहाँ उपचार तेजी से होगा। चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. अशोक यादव, चाचा नेहरू अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अरविन्द शुक्ला ने मोटापा रोग से होने वाली बीमारियां और उसके दुष्प्रभाव के के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने सर्जरी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. राजकुमार माथुर और ओटी असिस्टेंट डॉ. रवीन्द्र पाटीदार सहित डॉ. सुनील बांठिया, डॉ. वल्लभ मूंदड़ा का सम्मान किया।

कार्यक्रम में डॉ. ब्रजेश लाहोटी, डॉ. अंकुर माहेश्वरी, डॉ. पूनम माथुर, डॉ. अशोक लड्ढा सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक एवं नागरिक उपस्थित थे।

ऑपरेशन के बाद 35 किलोग्राम वजन कम हुआ- मोटापे से ग्रस्त रही महिला श्रीमती सुषमा भिलवारे ने बताया कि 10 वर्ष पूर्व मेरा वजन 103 किलोग्राम था। एमवाय अस्पताल में डॉ. घनघोरिया से संपर्क करने के बाद मेरा उपचार प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के तहत हुआ। आज मेरा वजन मात्र 70 किलोग्राम है और मुझे कई बीमारियों से भी मुक्ति मिल गई।

इंदौर के खजराना क्षेत्र निवासी महिला ने बताया कि मैं पिछले कई वर्षों से मोटापा, बीपी, हाईपरटेंशन, थायराईड, जोड़ो के दर्द आदि बीमारियों से ग्रस्त थी।

बाल विवाह करवाने वालों के विरुद्ध तत्काल अपराध दर्ज करवाए- श्री चंद्रा

सूचना तंत्र मजबूत कर, बाल विवाह रोकथाम की कड़ी कार्रवाई करें

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत जिला स्तरीय टास्क फोर्स एवं वन स्टॉप सेंटर समीक्षा बैठक कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता मैं संपन्नहुई । बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव भी उपस्थित थे ।

बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास सुश्री अंकिता पंड्या ने पीपीटी के माध्यम से विभागीय गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिले में बाल विवाह रोकथाम हेतु विशेष जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाए । बाल विवाह करने वाले परिवार,सेवा प्रदाताओं,रिश्तेदारों एवं अन्य सम्मिलित होने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही कर संबंधित के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाई जाए। स्कूली छात्राओं हेतु प्रत्येक स्कूल व कॉलेज में विशेष सत्र आयोजित करें,जेंडर चैंपियन बनाए शौर्य दल की चयनित बालिकाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत करें,सभी संस्थाओं में जहां 10 से अधिक कर्मचारी कार्यरत है वहां आंतरिक परिवाद समिति का गठन अनिवार्य रूप से कर लिया जावे। बैठक में कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से एनीमिया संबंधित विशेष कैंप आयोजित करने, नियमित निगरानी रखने और प्रत्येक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका को बाल विवाह की तत्काल सूचना देने के लिए पाबंद करने के निर्देश भी दिए।शाला त्यागी बालिकाओं का शाला में पुनः प्रवेश और कौशल प्रशिक्षण सत्र में सहभागिता सुनिश्चित करने। बाल एवं महिला हितैषी पंचायत हेतु समुदाय की सहभागिता से कार्य करने,प्रत्येक विद्यालय में विद्यालय नहीं आने वाले या बाल विवाह के कारण ड्रॉप आऊट होने वाले बच्चों की सूची तैयार करवाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने क्ष्हद्ध अधिनियम एवं हेल्पलाइन संबंधित स्टीकर का विमोचन भी किया ।

बैठक में मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री दिनेश प्रसाद,महिला सेल प्रभारी श्रीमती निकिता सिंह,महाप्रबंधक उद्योग श्रीमती योगिता भटनागर, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एम एस मांगरिया,श्रम पदाधिकारी श्री सज्जन सिंह चौहान,परियोजना अधिकारी श्री इरफान अंसारी,परियोजना अधिकारी व प्रशासक वन स्टॉप सेंटर श्रीमती दीपिका नामदेव,शाखा प्रभारी श्री महेश कुमार,पर्यवेक्षक नीमच ग्रामीण नीमच व शहरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक का आयोजन कलेक्टर सभा कक्ष में किया गया । उक्त जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने दी है।

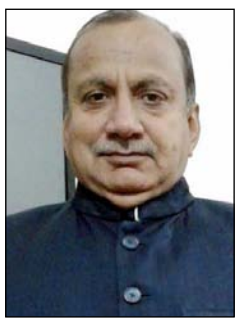

निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा ना हो तो विद्यार्थी का नाम शाला पंजी से काटा सकता है- शिक्षाविद रमेशचन्द्र चन्द्रे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्तमान समय में स्कूलों में अनेक अभिभावकों द्वारा समय पर फीस जमा नहीं करने के कारण स्कूलों की आर्थिक स्थिति डगमगा जाती है तथा कई बार नोटिस देने के बाद भी अभिभावक फीस जमा नहीं करते तथा विद्यालय द्वारा शुल्क मांगने पर उनके विरुद्ध जनसुनवाई में जाकर शिकायतें करते हैं तथा अधिकारी भी बिना सोचे समझे उस शिकायत को जिला शिक्षा अधिकारी को रेफर कर देते हैं। जबकि मध्य प्रदेश के सभी स्कूलों को शिक्षा संहिता के नियमानुसार निर्धारित दिनांक से 30 दिन तक या इससे अधिक दिन तक फीस जमा नहीं होने की स्थिति में विद्यालय की उपस्थिति पंजी से विद्यार्थी का नाम काटने का पूर्ण अधिकार है। इसी तरह बिना किसी सूचना के 15 दिन तक अनुपस्थित रहने पर भी विद्यार्थी का नाम उपस्थिति रजिस्टर से काटा जा सकता है।

उक्त जानकारी देते हुए शिक्षाविद एवं और अशासकीय शिक्षण संस्थानों के मंदसौर जिले के संरक्षक रमेशचन्द्र चन्द्रे कहा कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित एवं स्वीकृत शिक्षा संहिता के पृष्ठ क्रमांक 419 नियम 54 के अनुसार निरंतर 15 दिन तक बिना किसी सूचना के विद्यार्थी के अनुपस्थित रहने अथवा निर्धारित तिथि तक विद्यालय के देय शुल्क जमा नहीं करने की स्थिति में विद्यार्थी का नाम संस्था से पृथक किया जा सकता है। श्री चन्द्रे ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि खासकर प्राइवेट स्कूलों में जो केवल शुल्क पर आधारित होते हैं और उन्हें सरकार के द्वारा किसी प्रकार की आर्थिक सहायता या अनुदान प्रदान नहीं किया जाता, उनकी फीस को लेकर कलेक्टर और उससे संबंधित अधिकारी जनसुनवाई में अभिभावक के आवेदन की सुनवाई करते हुए उसे स्थानीय जिला शिक्षा अधिकारी को रेफर कर देते हैं। जहां जिला शिक्षा अधिकारी भी नियमों की अनदेखी करके संबंधित स्कूलों पर दबाव बनाकर उन्हें अभिभावक से फीस ना लेने के लिए मौखिक रूप से बाध्य करते हैं तथा तरह-तरह की धमकियां देते हैं। बिना शुल्क लिए विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने, बोर्ड परीक्षा के प्रवेश पत्र देने, उसका रिजल्ट ना रोकने और उसके बाद भी इसकी टीसी नहीं रोकने के संबंध में निर्देश जारी करते हैं। जो पूर्णतया एक गैर कानूनी प्रक्रिया है। श्री चन्द्रे ने शासन से मांग की है कि मध्य प्रदेश में निजी शिक्षण संस्थानों के ऊपर अधिकारियों द्वारा गैर कानूनी शिकंजे कसे जाते हैं तथा अपने पद के प्रभाव का दुरुपयोग करके उन्हें डराया धमकाया जाता है जिससे उनको भय मुक्त किया जाना चाहिए।

समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सभाकक्ष में सीईओ जिला पंचायत सुश्री वैशाली जैन की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, समयावधि पत्रों, समाधान पोर्टल एवं अन्य विषयों पर विभाग वार समीक्षा कर विभाग प्रमुखों को आवश्यक निर्देश दिए गये । बैठक में विभागीय अधिकारी उपस्थित थें। बैठक में कृषि वर्ष 2026 के अंतर्गत कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशुपालन विभाग एवं सहकारिता विभाग को शासन के निर्देशानुसार कार्ययोजना बना कर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीईओ सुश्री जैन ने शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं में पात्र हितग्राहियों के ऋण प्रकरण स्वीकृत कर वितरण करवाने के लिए संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया। बैठक में निर्देश दिए गये कि सभी विभाग प्रमुख सीएम हेल्पलाइन एवं समयावधि पत्रों के समाधानकारी निराकरण कर जवाब पोर्टल पर दर्ज करें। संबंधित सभी विभाग प्रमुख संकल्प से समाधान अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण कर पोर्टल पर जवाब दर्ज करें । प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत लगे अनुश्रवण शिविरों में प्राप्त हुए आवेदनों का समाधानकारी निराकरण करे। जनप्रतिनिधियों से प्राप्त होने वाले पत्रो का समाधानकारी जवाब दे एवं संबंधित को सूचित भी करे। बैठक में सीईओ सुश्री जैन ने बताया कि रतलाम जिले में शासकीय विद्यालयों के भौतिक एवं शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ बनाने हेतु एक महत्वपूर्ण नवाचार के रूप में ज्ञानोदय शाला उन्नयन अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान अंतर्गत इच्छुक व्यक्ति, सामाजिक संगठन, औद्योगिक प्रतिष्ठान, स्वयंसेवी संस्थाएँ ,शासकीय अधिकारी/कर्मचारी तथा पूर्व छात्र विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए डेस्क प्रायोजित कर सकते हैं।

स्वच्छ नीमच के साथ स्वस्थ नीमच का संकल्प

श्रीमती चोपड़ा के नेतृत्व में हो रहा है बगीचों का कायाकल्प

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिका परिषद नीमच की अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा द्वारा स्वच्छ नीमच के साथ स्वस्थ नीमच का संकल्प लेकर पर्यावरण सुधार की भावना से आमजन को शुद्ध हवा और स्वच्छ माहौल उपलब्ध कराने के लिए नीमच शहर के प्रमुख बगीचों का सौन्दरीयकरण करवाया जा रहा है! सोमवार 23 फरवरी को नपा अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा ने नपा उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना करण सिंह परमाल, स्वास्थ्य सभापति श्री धर्मेश पुरोहित व पार्षद श्री योगेश कवीश्वर के साथ शहर के प्रमुख उद्यान गांधी वाटिका, महावीर वाटिका व शिक्षक कॉलोनी स्थित बालाजी मंदिर बगीचे का निरीक्षण किया व बगीचा शाखा प्रभारी को आवश्यक निर्देश दिए! निरीक्षण के दौरान बगीचा शाखा प्रभारी श्री महावीर जैन भी नपाध्यक्ष के साथ थे!

नपा अध्यक्ष श्रीमती चोपड़ा ने बताया कि वर्तमान में शहर के 18 बगीचों का लाखों रुपए की लागत से सौंदरीकरण के तहत रंग रोगन, लाइटिंग,पौधों की कटिंग व पौधारोपण सहित अनेक कार्य करवाए गए हैं तथा गांधी वाटिका में सौंदरीकरण का कार्य निरंतर जारी है! श्रीमती चोपड़ा ने बताया कि बगीचों के सौंदरीकरण से बगीचे खूबसूरत लगने लगे हैं और आमजन का बगीचों की और रुझान बड़ा है! श्रीमती चोपड़ा ने बताया कि गांधी वाटिका में पाथवे पर एक्यूप्रेशर टाइल्स व मंदिर के पास गेट से अंदर तक सीसी रोड निर्माण का प्रकरण भी तैयार किया गया है!

नमो पार्क होगा शहर का प्रमुख उद्यान - श्रीमती चोपड़ा ने बताया कि ग्वालटोली तलैया के पास करोड़ों रुपए की लागत से नमो पार्क विकसित किया जाएगा जिसकी ड्राइंग डिजाइन तैयार हो चुकी है! नमो पार्क में सुंदर बगीचा,आकर्षक लाइटिंग, मनमोहक फव्वारे, बच्चों के मनोरंजन के साधन व आमजन के घूमने के लिए सुंदर पाथवे का निर्माण होगा!

आमजन भी एक घंटा मोबाइल से निकलकर बगीचे की और रुख करें - नपा अध्यक्ष श्रीमती चोपड़ा ने शहर वासियों के नाम अपने संदेश में कहा कि वर्तमान समय में बड़े से लेकर बच्चे तक मोबाइल में इस कदर व्यस्त है कि वे बगीचे में घूमने जाने और अपने स्वास्थ्य स्वास्थ्य के लिए समय ही नहीं निकाल पाते हैं! मेरा सभी से अनुरोध है कि वह प्रतिदिन सिर्फ एक घंटा मोबाइल से बाहर निकाल कर परिवार के साथ बगीचों मैं आनंद के पल बिताए जिससे परिवार में खुशी का माहौल निर्मित होगा और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह कदम काफी लाभदायक सिद्ध होगा!

इन बगीचों का हुआ सौन्दर्यकरण - श्रीमती चोपड़ा ने बताया कि वर्तमान में गांधी वाटिका, महावीर वाटिका, शिक्षक कॉलोनी स्थित बालाजी मंदिर बगीचा,राजस्व कॉलोनी बगीचा,राठौर पार्क नीमच सिटी, शांति नगर में दो बगीचे, विकास नगर स्थित योगेश्वर महादेव मंदिर बगीचा,स्कीम नंबर 36 स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर बगीचा, इंदिरानगर में कपिशेश्वर मंदिर बगीचा, पंचवटी कॉलोनी बगीचा, वीनू वाटिका जवाहर नगर, अमृत गार्डन जवाहर नगर, स्कीम नंबर 34 स्थित अमृत गार्डन,बंगला नंबर 55 स्थित बगीचा,वार्ड क्रमांक 23 में बाबू भाई कचोरी वाले के सामने बगीचा, स्कीम नंबर 7 में कालका माता मंदिर बगीचा, वार्ड क्रमांक 18 में आसमानी माता मंदिर बगीचा व इंदिरानगर मैं रंजीत हनुमान मंदिर बगीचे का सौंदरीकरण कराया गया है और शेष बगीचे के सौंदरीकरण का प्रस्ताव भी तैयार करवाया जा रहा है!

संयम कि और बढ रहे दीक्षार्थी कि निकाली गई भव्य बिन्दोरी

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेवाड़ प्रान्त कि धार्मिक नगरी सिंगोली में बघेरवाल दिगंबर जैन समाज मेवाड़ प्रान्त के जिनधर्म नगरी झांतला निवासी पण्डित श्री लादुलाल जैन (धानोत्या) कि भव्य गोद भराई बिन्दोरी यात्रा 23 फरवरी सोमवार को निकाली गई प्राप्त जानकारी के अनुसार आगामी 26 फरवरी 2026 को वात्सल्य वारिधि पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के कल कमलों से भव्य जैनैश्वरी दीक्षा पदमपुरा राजस्थान में होने जा रही है इस अवसर पर मेवाड़ प्रान्त के विभिन्न नगरों व कस्बों मे दीक्षार्थी कि गोद भराई व बिन्दोरी यात्रा निकाली जा रही है जिससे मेवाड़ प्रान्त में उत्साह का वातावरण बना हुआ है नगर में अणुव्रत से महाव्रत कि अग्रसर संयमी कि भव्य बिन्दोरी यात्रा निकाली गई जो पेट्रोल पंप से प्रारम्भ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पर समापन हुई यात्रा के दोरान जगह जगह दीक्षार्थी कि समाजजनों द्वारा गोद भरी गई दीक्षार्थी श्री लादुलाल जैन की जैनेश्वरी दीक्षा होने जा रही है जैन धर्म में सांसारिक मोह माया का त्याग कर आत्म कल्याण कि और मोक्ष मार्ग को अपनाने का सर्वोच्च आध्यात्मिक संस्कार है यह दीक्षा 28 मूलगुणो का पालन अहिंसा अपरिग्रह और वैराग्य के माध्यम में आत्मा को शुद्ध करने तथा कर्मो के क्षय के लिए ली जाती है जो परम पद की प्राप्ति का प्रतीक है इस अवसर पर बडी संख्या में समाजजनो ने मन्दिर जी मे सामुहिक गोद भरी गई इस दौरान बडी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

कृषि बजट म.प्र. को कृषि क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री जी के संकल्प का प्रतिबिंब है

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के लिए 5,500 करोड़ की राशि

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश का कृषि बजट म.प्र.को कृषि के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जी के संकल्प का प्रतिबिंब है। यह बजट समृद्ध म.प्र.@2024 दृष्टीपत्र की भावना से प्रेरित एक दीर्घकालिक रोडमैप का हिस्सा है। कृषि बजट केवल वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नहीं है। बल्कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने और अवसरों का लाभ उठाने के लिए भी हैं। कृषि क्षेत्र के सतत विकास के लिए बजट 2026-27 में प्रदेश सरकार द्वारा विशेष प्रावधान किए गये है। मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के लिए 5500 करोड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 1299 करोड, ब्याज मुक्त अल्पकालीन कृषि ऋण के लिए 720 करोड़ एवं कृषि उपभोक्ताओं को विद्युत बिल में राहत दने के लिए 20485 करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है।

कृषकों के लिए सुरक्षा चक्र की स्थापना- 13 हजार 769 करोड़ की राशि- कृषि को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। किसान मछुआरे और पशुपालक कृषि की वृद्धिगाथा में महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं। कृषकों को आय सुरक्षा एवं जोखिम प्रबंधन के लिए प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, फसल बीमा योजना तथा एसडीआरएफ के तहत राहत राशि के प्रावधान भी बजट में किया गया हैं। वन्य जीवों द्वारा फसल क्षति की स्थिति में भी राहत राशि उपलब्ध कराई जावेगी। यह सुरक्षा चक्र किसानों को आत्मविश्वास एवं संबल प्रदान करेंगा। कृषकों के लिए सुरक्षा चक्र के अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए 13 हजार 769 करोड का प्रावधान बजट में किया गया हैं।

आदान व्यवस्था का सुदृढीकरण- लगभग 65 हजार करोड़ की राशि- प्रदेश के बजट में कृषि आदान व्यवस्था के सुदृढीकरण के लिए सम्बद्ध विभिन्न गतिविधियों के लिए वर्ष 2026-27 के बजट में 64 हजार 995 करोड का प्रावधान किया गया है। म.प्र.में एक मजबूत कृषि वित्त प्रणाली है।

वर्ष 2024-25 में कुल ऋणों में कृषि 274 का हिस्सा 30 प्रतिशत है। जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। प्रदेश में लगभग 74 लाख किसान क्रेडिट कार्ड, पशुपालन एवं मछुआ केडिट कार्ड पर शून्य ब्याज पर अल्कालिक ऋण सुविधा प्रदान की जा रही हैं, जो कि एक क्रांतिकारी कदम हैं।

उपज का बेहतर मूल्य- किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2026-27 के लिए 8091 करोड़ का प्रावधान किया गया हैं। रबी 24-25 में प्रदेश में 48.38 लाख मेट्रीक टन गेहूं उपार्जन किया गया, जिसकी कीमत 2400 रूपये प्रति क्विंटल थी, इसमें 125 रूपये प्रति क्विंटल का बोनस भी शामिल हैं।

कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के लिए 28158 करोड़ का प्रावधान- प्रदेश में भू-जल संरक्षण कार्यो, सिंचाई के लिए विद्युत आपूर्ति के निश्चित समय कृषि फीडर एवं नवीन द्वारा फामरों की स्थापना, सौर ऊर्जा पम्पों का प्रावधान एवं लघु सिंचाई उपकरणों की उपलब्धता से किसानों की उत्पादन क्षमता बढाने में सहुलियत हुई हैं। सरकारी योजनाओं को पारदर्शी बनाने, ऋण तक असान पहुच और स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि से संबद्ध गतिविधियों के लिए वर्ष 26-27 में 28, 158 करोड का प्रावधान किया गया हैं।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक : परिवहन विभाग स्कूल बसों का फिटनेस एवं सर्टिफिकेट चेक करें

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सुशासन भवन स्थित सभागार में आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री विनोद कुमार मीना, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने परिवहन विभाग एवं शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि नए शैक्षणिक सत्र में बिना फिटनेस प्रमाणपत्र एवं बिना आवश्यक अनुमति वाले कोई भी स्कूली वाहन संचालित नहीं किए जाएंगे। इस संबंध में सभी स्कूलों को आवश्यक निर्देश जारी करने के लिए कहा गया। उन्होंने स्कूली वाहनों के चालकों का पुलिस सत्यापन कराने तथा वाहनों के फिटनेस एवं दस्तावेज जांच के लिए विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट चिन्हित करने के निर्देश दिए। एमपीआरडीसी विभाग को मुख्य मार्गो से अवैध कट बंद करने के लिए कहा गया। नगर पालिका को पार्किंग स्थलों की मार्किंग कर उन्हें जीआईएस नक्शे पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। एमपीईबी विभाग को मॉडल रोड स्थित घंटाघर क्षेत्र में विद्युत सुरक्षा की दृष्टि से डीपी हटाने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त ग्राम आक्या बिका में मुख्य सड़क पर यातायात सुरक्षा की दृष्टि से रबर स्पीड ब्रेकर लगाने के निर्देश भी दिए गए।

टीओआई नेशनल सीएसआर समिट में मंदसौर के दिलीप धनराज गुप्ता डिस्टिंग्विश्ड पब्लिक लीडरशिप अवॉर्ड से अलंकृत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के प्रतिष्ठित समाचार पत्र द टाइम्स ऑफ इंडिया और टाइम्स फाउंडेशन द्वारा नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित टीओआई नेशनल सीएसआर समिट 2026 में देश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले नेतृत्वकर्ताओं को गत 21 फ़रवरी, शनिवार को सम्मानित किया गया। जिसमे मध्य प्रदेश के युवा समाजसेवी दिलीप धनराज गुप्ता को डिस्टिंग्विश्ड पब्लिक लीडरशिप अवॉर्ड ङ्क गवर्नेंस एंड इनक्लूसिव नेशनल डेवलपमेंट के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया।

समारोह की अध्यक्षता भारत के उपराष्टपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग़ पासवान, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा कॉरपोरेट कार्य राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया, पूर्व राज्यसभा सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे सहित सांसद, न्यायपालिका के पूर्व वरिष्ठ सदस्य, प्रशासनिक अधिकारी, नीति विशेषज्ञ, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और सीएसआर क्षेत्र के प्रमुख सहभागियों ने विभिन्न सत्रों में शिरकत की। समारोह में डिस्टिंग्विश्ड पब्लिक लीडरशिप एवं लाइफटाइम ऑनर्स श्रेणी के अंतर्गत कई वरिष्ठ व्यक्तित्वों को भी सम्मानित किया गया, जिनमें प्रमुख हैं- भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री के. जी. बालकृष्णन, भारत के पूर्व नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक श्री विनोद कुमार शुंगलू, सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीमती बेला एम. त्रिवेदी, प्रधानमंत्री कार्यालय के पूर्व प्रधान सचिव श्री नृपेंद्र मिश्रा, नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अमिताभ कांत, राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, भारत सरकार के सेवानिवृत्त सचिव श्री अतुल चतुर्वेदी, विश्व स्वास्थ्य संगठन क्षेत्रीय सलाहकार डॉ. मनीषा श्रीधरा, वरिष्ठ जननेता अगाथा के. संगमा, समाजसेवी एवं परोपकारी श्रीमती अरुणा गोयनका, एम3एम फाउंडेशन अध्यक्षा डॉ. पायल कनोड़िया सहित नीति, उद्योग, शिक्षा, सामाजिक सेवा एवं सार्वजनिक प्रशासन से जुड़े प्रतिष्ठित नेता शामिल है।

गौरतलब है कि मंदसौर (मध्य प्रदेश) में जन्मे दिलीप धनराज गुप्ता लंबे समय से ग्रामीण विकास, किसान कल्याण, सहकारिता आंदोलन एवं गौ-आधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के कार्यो से जुड़े रहे हैं। विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संगठनों में नेतृत्वकारी भूमिकाओं के माध्यम से उन्होंने संगठनात्मक विकास और सामुदायिक सशक्तिकरण को दिशा दी है।डिस्टिंग्विश्ड पब्लिक लीडरशिप अवॉर्ड ङ्क गवर्नेंस एंड इनक्लूसिव नेशनल डेवलपमेंट से सम्मान उनके सामाजिक समर्पण, संगठनात्मक क्षमता और ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों की राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान माना जा रहा है। यह सम्मान फाउंडेशन के लाइफटाइम अचीवमेंट ऑनर्स खंड के अंतर्गत प्रदान किया गया, जो उन नेतृत्वकर्ताओं को दिया जाता है जिनके सतत योगदान ने सार्वजनिक जीवन को दिशा दी है और राष्ट्रीय विकास को सुदृढ़ किया है। चयन प्रक्रिया एक स्वतंत्र सर्च कमेटी द्वारा संपन्न की गई, जिसमें सार्वजनिक सेवा, उद्योग, परोपकार, शिक्षा जगत एवं नागरिक समाज के वरिष्ठ सदस्य शामिल थे। पूरी प्रक्रिया गोपनीय, निष्पक्ष और पारदर्शी रखी गई, ताकि उच्चतम विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके। समारोह में देशभर से नीति-निर्माता, सीएसआर कंपनियों के प्रतिनिधि, उद्योग जगत, सिविल सोसाइटी संगठनों के सदस्य एवं विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

कांग्रेसगण पहुंचे एसपी ऑफ़िस, कार्रवाई की मांग पर दिया ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस कमेटी, मंदसौर के नेतृत्व में आज गांधी चौराहा से जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक विरोध प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन पुलिस अधीक्षक के नाम सीएसपी जितेंद्र भास्कर को दिया गया। ज्ञापन में 21 फरवरी को जिला कांग्रेस कार्यालय के सामने भारतीय जनता पार्टी एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेताओं द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं के कार्यालय पर लगे चित्रों के साथ छेड़छाड़, उन पर आपत्तिजनक लकीरें खींचने, अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने और भड़काऊ नारेबाजी करने की घटना की कड़ी निंदा की गई। जिला कांग्रेस कमेटी ने इस कृत्य को आपराधिक एवं अलोकतांत्रिक बताते हुए संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि कार्यालय के सामने हुई यह घटना लोकतंत्र की मर्यादा के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन गुंडागर्दी, तोड़फोड़ और अमर्यादित व्यवहार लोकतंत्र का हिस्सा नहीं हो सकते। कांग्रेस विचारों की लड़ाई लड़ती है और सड़कों पर अराजकता फैलाने में विश्वास नहीं रखती। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातड़िया, सोमिल नाहटा, परशुराम सिसोदिया, मनजीत सिंह टुटेजा, दीपक गुर्जर, राजेश रघुवंशी, विजेश मालेचा, इष्टा भाचावत, रूपल संचेती, अनिल शर्मा, कांतिलाल राठौर, डॉ. प्रीतिपाल सिंह राणा,अजय लोढ़ा, जगदीप सिंह बंटी, विकास दशोरा, प्रीतम पंचोली, वाहिद जैदी, अजय मारू, मनोहर नाहटा, शुभम कुमावत, पंकज सतीदासानी, अनीता भदोरिया, वर्षा सांखला, लियाकत मेव, प्रवीण मांगरिया, असगर भाई, सुरेंद्र कुमावत, विश्वास दुबे, जितेंद्र सोपारा, नवीन शर्मा, सुनील गुप्ता, योगेंद्र गौड़, राजेंद्र सेठिया, अशोक रैकवार, रामचरण करुण नारायणगढ़ सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

जनगणना 2027 के लिए जिला स्तरीय चार दिवसीय प्रशिक्षण श्रृंखला का आयोजन

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना 2027 मकान सूचीकरण कार्य वैधानिक स्तर पर 1 मई से 30 मई 2026 तक किया जाना है जिसके लिए चार दिवसीय प्रशिक्षण श्रृंखला का आयोजन ई दक्ष केंद्र रतलाम में किया जा रहा है। प्रथम दो दिवसीय प्रशिक्षण 23 एवं 24 फरवरी 2026 में जिलाधिकारियों के साथ जनगणना अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीएम) ग्रामीण चार्ज अधिकारी (तहसीलदार) व अतिरिक्त चार्ज अधिकारी (नायब तहसीलदार) साथ ही उनके जनगणना लिपिक हेतु प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इसके पश्चात 25 एवं 26 फरवरी 2026 में प्रमुख जनगणना अधिकारी (आयुक्त नगर निगम रतलाम), नगर जनगणना अधिकारी आदी।

सम्पादकीय

एआई इंपैक्ट और महिलाओं से जुड़ी प्रचुर संभावनाएं

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थात एआई आज केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं रह गया है, बल्कि यह सामाजिक संरचनाओं, आर्थिक अवसरों और शक्ति संतुलन को पुनर्परिभाषित करने वाला परिवर्तनकारी माध्यम बन चुका है। इस परिवर्तन के केंद्र में यदि किसी वर्ग के लिए सर्वाधिक संभावनाएँ छिपी हैं तो वह है महिला वर्ग, क्योंकि सदियों से अवसरों की असमानता, संसाधनों तक सीमित पहुँच और निर्णय-निर्माण में कम भागीदारी जैसी बाधाओं का सामना करने वाली महिलाओं के लिए एआई एक नई ऊर्जा, नई दिशा और नया इम्पैक्ट लेकर आया है।

विश्व स्तर पर उपलब्ध नवीन आँकड़े यह संकेत देते हैं कि तकनीकी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी अभी भी संतोषजनक नहीं है, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार एआई से जुड़े कार्यक्षेत्रों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 28 से 30 प्रतिशत के बीच है, जबकि नेतृत्वकारी भूमिकाओं में यह प्रतिशत और भी कम हो जाता है, भारत में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में लगभग 20 प्रतिशत एआई पेशेवर महिलाएँ हैं, परंतु यदि प्रशिक्षण, डिजिटल पहुँच और नीतिगत समर्थन को व्यापक बनाया जाए तो 2027 तक इस संख्या के चार गुना तक बढ़ने की संभावना व्यक्त की गई है। यह आँकड़ा केवल सांख्यिकीय वृद्धि का संकेत नहीं बल्कि सामाजिक शक्ति संतुलन में संभावित बड़े बदलाव का संकेत है। एआई इम्पैक्ट का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह कौशल आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है।

जहाँ पारंपरिक लैंगिक पूर्वाग्रह अपेक्षाकृत कम प्रभावी होते हैं। ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, वर्चुअल ट्यूटर, एआई-आधारित भाषा अनुवाद उपकरण और कोडिंग सिमुलेटर उन महिलाओं के लिए वरदान सिद्ध हो रहे हैं जो भौगोलिक, सामाजिक या पारिवारिक कारणों से औपचारिक संस्थानों तक नहीं पहुँच पाती थीं।

इस संदर्भ मे यूनेस्को ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि एआई को समावेशी दृष्टिकोण के साथ विकसित किया जाए तो यह महिलाओं की कार्यभागीदारी और नेतृत्व क्षमता को अभूतपूर्व रूप से बढ़ा सकता है, इसी प्रकार डिजिटल ऑर्गेनाइजेशन ने अपनी रिपोर्टों में उल्लेख किया है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में लैंगिक समानता सुनिश्चित करना वैश्विक विकास की अनिवार्य शर्त है।

एआई इम्पैक्ट का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम कार्यस्थल पर महिलाओं की आवाज़ को सशक्त करना है। मीटिंग एनालिटिक्स कंपनी की एक हालिया रिपोर्ट में पाया गया कि एआई-सहायता प्राप्त वर्चुअल मीटिंग टूल्स के उपयोग से महिलाएँ औसतन 9 प्रतिशत अधिक बोलती हैं, क्योंकि एआई आधारित नोट-टेकिंग और समय प्रबंधन उपकरण उन्हें बिना बाधा अपनी बात रखने का अवसर देते हैं। यह परिवर्तन प्रतीकात्मक नहीं बल्कि संरचनात्मक है, क्योंकि निर्णय-निर्माण में आवाज़ की उपस्थिति ही शक्ति का पहला चरण होती है। ग्रामीण और अर्धशहरी भारत में एआई इम्पैक्ट का एक और आयाम उभर कर आया है जहाँ डिजिटल सखी, एआई चैटबॉट और स्मार्ट कृषि सलाह प्लेटफॉर्म महिलाओं को उद्यमिता की दिशा में प्रेरित कर रहे हैं। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएँ अब एआई आधारित बाजार विश्लेषण, मूल्य पूर्वानुमान और ग्राहक पहुँच टूल्स का उपयोग कर अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुँचा पा रही हैं इससे आय में वृद्धि के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है। यह आर्थिक सशक्तिकरण सामाजिक सशक्तिकरण में रूपांतरित हो रहा है; स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई इम्पैक्ट और भी गहरा है। मातृ स्वास्थ्य निगरानी, पोषण परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य चैटबॉट और प्रारंभिक रोग पहचान प्रणाली ग्रामीण महिलाओं के लिए जीवनरक्षक सिद्ध हो रही हैं, जहाँ पहले विशेषज्ञ डॉक्टरों की पहुँच कठिन थी वहाँ अब मोबाइल आधारित एआई समाधान प्राथमिक मार्गदर्शन उपलब्ध करा रहे हैं। इससे स्वास्थ्य असमानताओं में कमी आने की संभावना है; किंतु एआई का यह सकारात्मक पक्ष तभी स्थायी होगा जब इसके नकारात्मक आयामों को भी गंभीरता से समझा जाए, अनेक अध्ययनों में यह पाया गया है कि लगभग 40 प्रतिशत एआई मॉडल किसी न किसी रूप में लैंगिक पूर्वाग्रह से प्रभावित होते हैं, यदि प्रशिक्षण डेटा असंतुलित है तो निर्णय भी असंतुलित होंगे, यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्ध एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि डिजिटल हिंसा, डीपफेक और ऑनलाइन उत्पीड़न की घटनाएँ महिलाओं को प्रभावित कर रही हैं। अनुमान है विश्व की लगभग 38 प्रतिशत महिलाएँ किसी न किसी रूप में ऑनलाइन हिंसा का अनुभव कर चुकी हैं। अतः एआई इम्पैक्ट को सकारात्मक बनाए रखने के लिए सख्त डेटा नैतिकता, एल्गोरिथमिक पारदर्शिता और लैंगिक संवेदनशील नीति ढाँचा अत्यंत आवश्यक है।एआई महिलाओं के लिए केवल नौकरी का साधन नहीं बल्कि नेतृत्व का माध्यम भी बन सकता है । डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली राजनीतिक और प्रशासनिक क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ा सकती है जिससे महिलाओं की भागीदारी मजबूत हो, जब निर्णय तथ्यों और विश्लेषण पर आधारित होंगे तो पूर्वाग्रहों की गुंजाइश घटेगी, इसके अतिरिक्त फ्रीलांसिंग, कंटेंट क्रिएशन, डिजिटल मार्केटिंग, एआई ट्रेनिंग और माइक्रो-टास्किंग जैसे नए क्षेत्रों ने उन महिलाओं को भी आर्थिक स्वतंत्रता दी है जो पारंपरिक नौकरी संरचना में शामिल नहीं हो पाती थीं।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुई, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है।

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें।

यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है।

आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें।

निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती है। यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा है, यही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

-ललित गर्ग

श्री आदिशंकराचार्य वर्णित आत्मैक्य बोध का ज्ञान ही सहजयोग

वदन्तु शास्त्राणि यजन्तु देवा
कुर्वन्तु कर्माणि भजन्तु देवताः ।
आत्मैक्यबोधेन बिना विमुक्तिः न सिध्यति ब्रह्मशतान्तरेपि ॥

प. पूज्य श्रीमाताजी प्रणित सहजयोग आत्मबोध या आत्मतत्व की बात करता है। जब हम आत्म तत्व की बात करते हैं तो हमें लगेगा कि ये बड़ा जटिल विषय है। आत्मा-परमात्मा, ये बातें हमें रोजमर्रा के जीवन में उपयोग में आनेवाली नहीं लगती। परंतु जीवन में हम सभी कुछ न कुछ खोज रहे हैं, और हमारी ये खोज तभी पूर्ण होगी जब हम हमारे आत्मतत्व को जान जाएंगे। सहजयोग में जब साधक को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तब उसे यह अनुभूति उसके हृदय में और उसके सूक्ष्म शरीर पर होती है। परंतु आज के विज्ञान के युग में हम भ्रमित हैं तथा माया और भ्रम का प्रभाव इतना अधिक है कि कई बार मानव सत्य को समझ नहीं पाता। बाहर का आडंबर, कर्मकांड, छद्म, कट्टरता, अंधविश्वास को ही धर्म या योग समझ लेता है।

इसलिये श्री आदिशंकराचार्य ने अपने शिष्यों को ग्रंथ विवेकचूडामणि में वैज्ञानिक दृष्टीकोण से सत्य अनुभव करने को कहा। उपरोक्त वर्णित श्लोक में वे कहते हैं, भले ही कोई शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त करे, सभी देवताओं का पूजन करे, सभी प्रकारके कर्मकांड करे, देवताओं का भजन करे परंतु जब तक जीव ध्यान के माध्यम से आत्मा में पूर्ण रूप से स्थापित नहीं होता तब तक मुक्ति नहीं मिल सकती। भले ही करोड़ों वर्ष क्यों न बीत जायें, मोक्ष के लिये आत्मा में स्थापित होना जरूरी है।

प.पू. श्रीमाताजी कहते हैं कि, आत्मसाक्षात्कार पाये बिना आत्मा में स्थित नहीं हो सकते। और जब आपको आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तो आप चित्त को अंतर्मुखी बनाकर अपने हृदय में या सहस्त्रार चक्र यानि कि ब्रह्मरंध्र पर स्थिर करने की कला सीख सकते हैं। और आप भूत व भविष्य के विचारों से मुक्त होकर वर्तमान में स्थित हो जाते हैं। निर्विचार ध्यान का अनुभव आपको अंदर से शक्तिवान और आनंदमयी बना देता है। समस्त तनाव, परेशानियां, रोग, शोक आदि से आप मुक्त हो जाते हैं। इस अद्भुत व अकल्पनीय अनुभव को प्राप्त करने हेतु सहजयोग ध्यान को एक अवसर अवश्य प्रदान करें।

नरेंद्र मोदी के राजनीतिक उत्कर्ष का प्रज्वलित आरंभ

24 फरवरी 2002–यह तिथि केवल एक उपचुनाव की घोषणा नहीं थी, यह भारतीय लोकतंत्र के विस्तृत आकाश में उगते एक नए सूर्य का प्रथम उषाकाल था। वडनगर की साधारण पृष्ठभूमि से निकला एक अनुशासित प्रचारक, नरेंद्र मोदी, जब राजकोट की राजकोट-द्वितीय विधानसभा सीट से पहली बार विधायक निर्वाचित हुआ, तब वह क्षण प्रतीक बना–संघर्ष से शिखर तक की यात्रा का, विचार से शासन तक के रूपांतरण का। 45,298 मतों के साथ प्राप्त जनादेश केवल जीत का प्रमाण नहीं था; वह जनविश्वास का उद्घोष था। 14,728 मतों का अंतर उस दौर की राजनीतिक उथल-पुथल के बीच अटूट आस्था का संकेत बना। यह वही क्षण था जिसने 'प्रचारक से शासक' बनने की दिशा को स्थिरता दी और एक ऐसी यात्रा का प्रारंभ किया, जिसने आगे चलकर राष्ट्रीय परिदृश्य को गहराई से प्रभावित किया। उस समय गुजरात का राजनीतिक वातावरण अनिश्चितताओं से भरा था। अक्टूबर 2001 में केशुभाई पटेल के स्थान पर मोदी को मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा गया, परंतु वे विधानसभा के सदस्य नहीं थे। संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार 6 महीनों के भीतर सदन में प्रवेश आवश्यक था। इसीलिए गुजरात विधान सभा की सदस्यता प्राप्त करने के लिए उपचुनाव अनिवार्य बना। सीट खाली कर मार्ग प्रशस्त किया वजुभाई वाला ने। विपक्ष ने इसे अवसर के रूप में देखा और कांग्रेस प्रत्याशी अश्विनभाई मेहता को चुनावी मैदान में उतारा गया। आरोपों, आक्षेपों और तीखे प्रचार के बीच यह चुनाव केवल एक सीट का नहीं, नेतृत्व की वैधता का प्रश्न बन गया। किंतु मतदाता ने असमंजस नहीं, निर्णायक नेतृत्व चुना–और यही इस जीत की सबसे बड़ी शक्ति थी। यह विजय आकस्मिक नहीं थी; इसके पीछे वर्षों की तपस्या और संगठनात्मक साधना थी। किशोर अवस्था में राष्ट्रीय चेतना से प्रेरित होकर मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्णकालिक प्रचारक के रूप में स्वयं को समर्पित किया। अनुशासन, समयनिष्ठा और जनसंपर्क उनके व्यक्तित्व की पहचान बने। 1987 में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाई और संगठन विस्तार में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। 1990 के दशक में रणनीतिक कौशल के कारण वे राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित हुए। किंतु चुनावी राजनीति का प्रत्यक्ष परीक्षण शेष था। राजकोट ने वह अवसर दिया, जहाँ वैचारिक प्रतिबद्धता और जनस्वीकृति का संगम हुआ। इसीलिए 24 फरवरी 2002 की जीत केवल मतगणना का परिणाम नहीं, बल्कि दीर्घकालीन विश्वास का प्रमाणपत्र बनी। प्रचार अभियान के दौरान मोदी ने संवाद को हथियार बनाया।

-प्रो. आरके जैन

आस्था, राष्ट्रभाव और प्रकृति चेतना की काव्य-प्रतिध्वनिः स्मृति श्रीवास्तव का 'अन्तर्ध्वनि'

डायमंड पॉकेट बुक्स द्वारा प्रकाशित स्मृति श्रीवास्तव का तृतीय काव्य संग्रह अन्तर्ध्वनि समकालीन हिंदी काव्यधारा में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के रूप में उभरता है। हिंदी साहित्य में एम.ए. उपाधि प्राप्त करने के उपरांत लेखिका ने अपना जीवन हिंदी भाषा, भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों के संवर्धन को समर्पित किया है। नई दिल्ली के सेंट थॉमस स्कूल में दो दशकों तक हिंदी एवं संस्कृत का अध्यापन, दिल्ली विश्वविद्यालय के नेत्रहीन विद्यार्थियों के लिए दुर्लभ ग्रंथों का वाचन-रिकॉर्डिंग तथा वंचित महिलाओं के लिए सामाजिक सक्रियता–इन सभी अनुभवों की गहन मानवीय संवेदना इस कृति की पंक्तियों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है।

अन्तर्ध्वनि शीर्षक अपने आप में दार्शनिक गहराई लिए हुए है। ध्वनि केवल श्रव्य तरंग नहीं, बल्कि चेतना की कंपनशील ऊर्जा है; और जब वही ध्वनि अंतःकरण में प्रतिध्वनित होती है, तो वह अंतर्ध्वनि बन जाती है। संग्रह की भूमिका में व्यक्त विचार–सर्वे भवन्तु सुखिनः–पूरे काव्य-संसार का नैतिक और आध्यात्मिक आधार निर्मित करता है। यह कृति किसी एक भाव-क्षेत्र तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भक्ति, प्रकृति, राष्ट्रप्रेम, सामाजिक जागृति और अंतर्मन के सूक्ष्म द्वंद्व तक विस्तृत काव्य-परिसर रचती है।

संग्रह का आरंभ गणेश वंदना से होता है और माँ सरस्वती, नमामि शंकर तथा दुर्गा स्तुति के माध्यम से भारतीय अध्यात्म की सांस्कृतिक निरंतरता को स्थापित करता है। जग में चहुँ दिश आनंद सरसे, सबके आँगन आशीष बरसे जैसी पंक्तियाँ कवयित्री के सार्वभौमिक मंगलकामना भाव को उद्घाटित करती हैं। यहाँ भक्ति पलायन नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत है, जो व्यक्ति को करुणा और समभाव की ओर प्रेरित करती है।

पर्व-पुष्पांजलि खंड भारतीय उत्सव-परंपरा का काव्यात्मक अभिलेख है। नूतन वर्ष से लेकर मकर संक्रांति, रक्षाबंधन, हरतालिका तीज और शिक्षक दिवस तक, प्रत्येक पर्व को केवल अनुष्ठान के रूप में नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एकात्मता के प्रतीक रूप में प्रस्तुत किया गया है। मकर संक्रांति पर सूर्य को काव्य-अर्घ्य देते हुए कवयित्री भारतीय लोक-संस्कृति की विविधता में निहित एकता को रेखांकित करती हैं–पोंगल, बिहू, लोहड़ी जैसे विभिन्न नामों के बावजूद अंतर्ध्वनि एक ही है- सौहार्द और समरसता।

मातृभूमि के गौरव खंड राष्ट्रभाव की ओजस्वी अभिव्यक्ति है। स्वतंत्रता के प्रहरियों और शहीदों की शौर्यगाथाएँ केवल ऐतिहासिक स्मरण नहीं, बल्कि नैतिक प्रेरणा का स्रोत हैं। कवयित्री भारतभूमि को ऋणस्वरूप स्वीकार करती हैं और संस्कृति के स्वर्णिम स्वर, सद्भाव तथा विश्वबंधुत्व की भावना को समकालीन परिप्रेक्ष्य में पुनर्स्थापित करती हैं। यहाँ राष्ट्रप्रेम उग्रता नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और कृतज्ञता का भाव है।

प्रकृति-केंद्रित खंड हरित धरा का आह्वान संग्रह की विशिष्ट उपलब्धि है। पृथ्वी को सांस लेने दो और पर्वत पुकार रहे हैं जैसी कविताएँ पर्यावरणीय संकट पर संवेदनशील हस्तक्षेप हैं। कवयित्री धरती को एक नारी-रूपक में देखती हैं, जो अति-दोहन से व्यथित है। प्रकृति का यह मानवीकरण केवल अलंकारिक युक्ति नहीं, बल्कि पारिस्थितिक चेतना का काव्यात्मक प्रतिरोध है। गिरती पत्तियों की लय, रिमझिम बूंदों की मधुरिमा, शरद का आगमन और सितारों की रागिनी–इन सबके माध्यम से प्रकृति एक जीवंत संवादिनी बन जाती है।

जागृति के स्वर खंड में कवयित्री समकालीन सामाजिक यथार्थ से मुठभेड़ करती हैं। लाइक और कमेंट की दुनिया डिजिटल युग की आभासी संवेदनाओं पर सूक्ष्म व्यंग्य है, तो रिवाज़ और परंपराएँ तथा पारंपरिक बनाम समकालीन बदलते सामाजिक मूल्यों पर विमर्श प्रस्तुत करती हैं। बेटियाँ और शक्ति स्वरूपा स्त्री-सशक्तिकरण की सशक्त अभिव्यक्ति हैं, जहाँ नारी को करुणा और सामर्थ्य–दोनों का संगम माना गया है। बुजुर्गों की सीख, रिश्तों की जटिलता और सहानुभूति बनाम युद्ध जैसे विषयों के माध्यम से संग्रह सामाजिक नैतिकता की पुनर्समीक्षा करता है।

अंतिम खंड अंतर्मन के दीप संग्रह की भाव-गहराई का चरम है। यहाँ कविताएँ आत्मसंवाद बन जाती हैं–अनकही प्रीति, मौन दस्तक, अंतर्मन का द्वंद्व और आत्म संतुष्टि जैसे शीर्षक मनुष्य की भीतरी परतों को उद्घाटित करते हैं। जीवन की एकरसता, सपनों का संबल, स्मृतियों की ऊष्मा और समर्पण की निस्तब्धता–इन सबके बीच कवयित्री एक संतुलित जीवन-दृष्टि प्रस्तुत करती हैं। भाषा सरल है, पर भाव-संरचना गहरी और बहुस्तरीय।

संपूर्ण संग्रह का काव्य-शिल्प सहजता और संप्रेषणीयता पर आधारित है। अलंकारों का संयमित प्रयोग, लयात्मक प्रवाह और भावात्मक प्रामाणिकता इसे पाठक के निकट ले आते हैं। स्मृति श्रीवास्तव की कविताएँ दुरूह बिंब-भाषा का आश्रय नहीं लेतीं; वे सीधे हृदय से संवाद करती हैं। यही कारण है कि उनका काव्य बौद्धिक विश्लेषण के साथ-साथ भावनात्मक स्पर्श भी प्रदान करता है।

अन्तर्ध्वनि केवल कविताओं का संग्रह नहीं, बल्कि आत्मा और समाज के बीच सतत संवाद का सेतु है। यह कृति बताती है कि आध्यात्मिकता, राष्ट्रभाव, प्रकृति-प्रेम और सामाजिक चेतना परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक ही व्यापक मानवीय संवेदना के विविध आयाम हैं। स्मृति श्रीवास्तव की लेखनी पाठक को बाह्य कोलाहल से भीतर की शांति की ओर ले जाती है, जहाँ अंतःचेतना की सूक्ष्म ध्वनि सुनाई देती है।

यह कृति समकालीन हिंदी साहित्य में एक सार्थक और मूल्यपरक योगदान के रूप में रेखांकित की जा सकती है। अन्तर्ध्वनि न केवल पाठकीय संवेदना को जाग्रत करती है, बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक आत्मावलोकन की प्रेरणा भी देती है। यह संग्रह इस विश्वास को पुष्ट करता है कि जब कविता अंतर्मन से उपजती है, तो उसकी ध्वनि समय की सीमाओं को पार कर स्थायी प्रभाव छोड़ती है।

-उमेश कुमार सिंह

अतिथि बनकर जाएं तो न दिखाएं नखरे

भारतीय संस्कृति में अतिथि देवो भवः केवल एक कहावत नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य है। हमारे यहाँ अतिथि का आगमन शुभ माना जाता है। घर की रसोई में हलचल बढ़ जाती है, बैठक सजी-धजी लगने लगती है और मन में एक सहज उत्साह जाग उठता है कि आने वाला व्यक्ति अपनेपन और आदर का अनुभव करे। परंतु विडंबना यह है कि कभी-कभी कुछ अतिथि अनजाने में ही इस आत्मीयता पर पानी फेर देते हैं सिर्फ इस कारण कि वे चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक या परोसे गए नाश्ते को लेकर नखरे दिखाने लगते हैं। आज के बदलते समय में खान-पान की पसंद-नापसंद स्वाभाविक है। किसी को चाय नहीं पसंद, किसी को कॉफी नहीं जंचती, कोई कोल्ड ड्रिंक से परहेज़ करता है। परंतु समस्या तब खड़ी होती है जब इन बातों को ऐसे ढंग से कहा जाए कि मेजबान असहज हो जाए। मैं तो चाय नहीं पीता, कॉफी से मुझे एलर्जी है, कोल्ड ड्रिंक बिल्कुल नहीं, ये बिस्कुट नहीं खाता, तेल ज्यादा है ऐसी टिप्पणियाँ यदि संवेदनशीलता के बिना कही जाएँ तो मेजबान की भावना आहत हो सकती है। जब कोई व्यक्ति अपने घर पर किसी को आमंत्रित करता है, तो वह केवल चाय या नाश्ता नहीं परोसता वह अपनी भावनाएँ, अपना समय और अपनी श्रद्धा परोसता है। वह सोचता है कि अतिथि को क्या अच्छा लगेगा, घर में क्या उपलब्ध है, कैसे स्वागत किया जाए। ऐसे में यदि अतिथि हर वस्तु में कमी निकालने लगे या बार-बार मना करता रहे, तो मेजबान के लिए स्थिति दुविधापूर्ण हो जाती है।

-डॉ. पंकज भारद्वाज.

सावरकर रहे विशुद्ध हिंदू राष्ट्रवाद के अनुयाई

विनायक दामोदर सावरकर तेजस्वी पुरुष थे। ओज और तेज से भरपूर और राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिये पूर्णरुपेण समर्पित, राष्ट्र की स्वतंत्रता के पूर्व और स्वतंत्रता के बाद भी उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र के हित में? ही बीता। विप्लवी सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को देवलाली के पास भंगुर ग्राम में हुआ। उनके पिता का नाम दामोदर पंत और माँ का राधादेवी था। सावरकर के और दो भाई गणेशपंत, नारायण राव भी थे। ये जाति से ब्राम्हण थे। दोनों भाई देश भक्ति में आगे ही आगे रहते। इसी कारण बड़े भाई गणेश पंत को विनायक के पहले से ही काले पानी की सजा हो गई थी। भंगुर ग्राम में प्रारंभिक शिक्षा के बाद वे उच्च शिक्षा के लिये नासिक गये।

सन् 1905 में सावरकर ने बी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। सन् 1906 से उन्होंने कानून की पढ़ाई शुरु की। आगे की पढ़ाई के लिये वे लंदन गये। कहने को तो ये बैरिस्ट्री की सनद लेने गये थे पर वास्तव में सावरकर विदेश में रहकर भारत की आजादी के लिये कार्य करने गये थे। वे 1906 में लंदन के ग्रेइन में दाखिला लिये। उन्होंने ग्रेइन की अंतिम परीक्षा भी उत्तीर्ण कर ली। लेकिन ग्रेइन की संचालन समिति के बेंचरों ने उन्हें बार में बुलाने से इंकार कर दिया। सावरकर ने राष्ट्रवादी विचारों के लिये लंदन में ही ÷फ्री इंडिया सोसायटी÷ की स्थापना की। जिसके माध्यम से वे अभिनव भारत को अपनी परिकल्पना को साकार करने के लिये समान विचारों वाले युवको को एक मंच पर एकत्र करते थे। ब्रिटिश अधिकारियो को उनकी गतिविधियों की भनक लग गई थी तथा स्काटलैण्ड यार्ड के जासूस उन पर नजर रख रहे थे। ग्रेइन ब्रिटिश में कानून की पढ़ाई का सबसे पुराना अध्ययन केन्द्र था। उसके अलावा तीन अन्य केंद्र लिंकन्स इन, इनर टेपल, मिडिल टैपुल भी थे। वे चारों केंद्र कानूनी अध्ययन के प्रतिष्ठित केंद्रों में थे।

ब्रिटेन में परंपरानुसार प्रत्येक बैरिस्टर को इन चार में से किसी एक सोसायटी का सदस्य होना अनिवार्य हैं। ये सोसायटियां ही उत्तीर्ण छात्रों को वैरिस्टर की उपाधि प्रदान करती थीं। सावरकर ने जब कानून की अंतिम परीक्षा भी पास कर ली तब उन्हें उपाधि के लिये बार में नहीं बुलाया गया तो उन्होंने उच्च अधिकारियों के समक्ष इसकी शिकायत की। इस मामले में एक जांच कमेटी बनाई गई जिसके पास पहले से ही सावरकर के खिलाफ ब्रिटेन विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने का आरोप पत्र था। जाँच में सावरकर के विरुद्ध कुछ भी साबित नहीं हो सकने के बावजूद कमेटी ने सावरकर के विरुद्ध ही निर्णय लेकर उन्हें उपाधि नहीं देने का अन्यायी निर्णय लिया। और सावरकर को कानून की पूरी पढ़ाई कर लेने के बाद भी वैरिस्टर के रुप में मान्यता नहीं दी गई। जाँच कमेटी ने उन्हें यह कहा कि वे यह लिखकर दें कि वे राजनीति में कभी भाग नही लेंगे तो उन्हें वैरिस्टर बनाने पर विचार किया जा सकता है। लेकिन सावरकर ने बेझिझक उनका वह प्रस्तात ठुकरा दिया।

सन् 1905 में इनका विवाह जवाहर के दीवान श्री चिपणुकर की पुत्री से हुआ था। प्रसिद्ध क्रांतिकारी कृष्ण शर्मा से संपर्क होने पर उनकी बैरिस्टर की पढ़ाई एवं क्रांतिकारी गतिविधिया दोनों साथ चलने लगी। सावरकर की राजनीतिक गतिविधियों पर गुप्तचर, विभाग की निगाहें शुरु से ही थी। अतएव उन्हें वैरिस्टी की पढ़ाई के बाद भारत आने से रोक दिया गया। उन पर राजद्रोह के आरोप लगाये गये। और उनकी गिरफ्तारी का वारंट इंग्लैंड भेजा गया। 13 मार्च 1910 को सावरकर गिरफ्तार कर लिये गये। उन पर ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध राजद्रोह तथा नासिक में एक ब्रिटिश कलेक्टर ए एस टी जैक्सन की हत्या के पड्यंत्र में शामिल होने का आरोप लागाया गया। उन्हें इस अभियोग में अंडमान निकोबार द्वीप में पचास वर्ष के आजीवन काले पानी कारावास की सजा सुनाई गई।

अंडमान द्वीप में सावरकर पर अंग्रेज सरकार ने यंत्रणाओ की बौछार कर दी, जिससे उनका स्वास्थ्य बहुत खराब हो गया। 1924 में सावरकर को वहाँ कलकत्ता भेज दिया गया। अलीपुर जेल एवं रत्नागिरी जेलों में उन्हें क्रमशः बंद रखा गया। सन् 1937 में कांग्रेस मंत्रीमंडल का गठन होने पर दस मई 1937 का सावरकर को कारावास से मुक्त कर दिया गया। मुक्त होने के बाद सावरकर पुनः स्वतंत्रता संग्राम की आग में कूद पड़े। इस बार सावरकर का राष्ट्रवाद विशुद्ध हिंदू राष्ट्रवाद था और इसी विचारधारा क कारण वे उपेक्षित रहे।

- सुरेश सिंह बैस

जिले के सभी नागरिक शांति व सौहार्द की परंपरा कायम रखते हुए सारे त्यौहार मनाये- कलेक्टर

कलेक्टर सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित हुई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले में आगामी त्यौहारों होली, धुलेण्डी, रंगपंचमी, ईद-उल-फितर, राम नवमी, महावीर जयंती आदि त्यौहारों पर कानून व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक विचार विमर्श के लिए जिलास्तरीय शांति समिति की बैठक कलेक्टर ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित हुई।

बैठक में कलेक्टर सिंह ने कहा कि जिले में सभी के सहयोग से सारे त्यौहार शांति व सौहार्द पूर्वक मनाये जाते है। आगे भी इसी प्रकार सौहार्द पूर्वक सभी त्यौहार मनाये। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों से आग्रह किया कि सभी सदस्य शांति व सौहार्द की परंपरा को कायम रखते हुए त्यौहार मनाने के लिए नागरिकों को जागरूक करें। बैठक में शांति समिति के सदस्यों से सुझाव लिये गये एवं सदस्यों द्वारा दिये गये सुझाओं पर अमल करने का आश्वासन दिया गया।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा त्यौहारों पर शांति व कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाती है, किंतु यह सब आमजन के सहयोग के बिना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर कंडों का प्रयोग करें। हरे-भरे वृक्ष न काटे। होली आयोजन समितियां सुनिश्चित करें कि बिजली के तारों के नीचे होली न जलाए। होलिका दहन के लिए किसी का लकड़ी का सामान उठाकर न ले जाएं। सड़क पर मिट्टी बिछाकर होली दहन करें जिससे सड़क खराब नहीं हो। होली पर केमिकल वाले रंगों का उपयोग नहीं करें। गुलाल आदि सूखे रंगों का उपयोग करते हुए होली खेली जाये। पानी का अपव्यय नहीं करें। विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा को देखते हुये डीजे का उपयोग नहीं करें। डीजे पर सख्ती रहेगी। डीजे बजते दिखने पर 112 पर सूचना दें, तत्काल कार्यवाही की जाएगी। त्योहारों पर डीजे के स्थान पर पारंपरिक वाद्य यंत्रों जैसे ढोल का उपयोग करें। त्यौहारों पर आयोजन की पूर्व अनुमति अनिवार्य रूप से लें। जिले में प्रतिबन्धात्मक आदेश लागू है, सभी नागरिक उसका पालन करें।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि कोई भी व्यक्ति त्यौहार के दौरान जबरन चंदा वसूली नहीं करेगा और ना ही किसी को जबरजस्ती रंग या गुलाल लगाएगा। नगर निगम त्यौहार के दौरान पानी की समुचित आपूर्ति करेगा। नगर निगम होली और रंग पंचमी को शाम को पानी का वितरण करें। उन्होंने निर्देश दिये कि जुलूस मार्ग पर सड़कों के गड्ढे प्राथमिकता से भरे जाये। विद्युत वितरण कंपनी निरंतर विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था करें। नगर निगम द्वारा साफ-सफाई व प्रकाश व्यवस्था व अन्य व्यवस्थाएं की जायेगी। स्वास्थ्य विभाग मेडिकल स्टॉफ, एम्बुलेंस, दवाईयां व अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर सिंह ने त्यौहार के दौरान फायर ब्रिगेड, ट्रैफिक व्यवस्था व सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में भी दिशा निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने कहा कि सभी लोग शांति व सद्भाव से त्यौहार मनाए। कोई भी व्यक्ति गलत कार्य करता है तो उस पर कार्यवाही की जायेगी। पूर्व निर्धारित स्थान पर ही होली जलाये, यदि नये स्थान पर होली जलाते है, तो उसकी अनुमति लें। तेज गति से गाड़ी चलाने, शराब पीकर गाड़ी चलाने पर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि जिले के सभी मुख्य चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। यदि कोई भी व्यक्ति लॉ एंड ऑर्डर तोड़ता है तो उस पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार, अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर संजीव जैन, एएसपी जयवीर सिंह भदौरिया, एसडीएम देवास अभिषेक शर्मा, जिला शांति समिति के सदस्यगण एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

आज सोनकच्छ में सिक्योरिटी गार्ड की भर्ती के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवास ने बताया कि मध्य प्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन देवास द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत एसएससीआई संस्था संस्था जयपुर द्वारा भाग लिया जायेगा। जिसके तहत जनपद पंचायत सोनकच्छ में 24 फरवरी, जनपद पंचायत टोंकखुर्द में 25 फरवरी और जिला पंचायत देवास में 26 फरवरी को आयोजन होगा। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला पंचायत देवास में सम्पर्क कर सकते है।

कलेक्टर ने पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाही बरतने पर परीक्षा केन्द्र पर्यवेक्षक आशीष बिलावलिया को किया निलम्बित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने देवास जिला अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्य प्रदेश भोपाल की परीक्षा वर्ष 2025-26 के दौरान पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाही बरतने पर परीक्षा केन्द्र शा.उ.मा विद्यालय चिडावद में पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त शिक्षक आशीष बिलावलिया को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी टोंकखुर्द रहेगा तथा निलंबन अवधि में संबंधित को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

26 फरवरी को किया जाएगा जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान अन्तर्गत जिले में पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए जिला पंचायत देवास द्वारा 26 फरवरी 2026 को एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन तुकोजीराव पवार स्टेडियम में रखा गया। जिसमें 19 वर्ष से कम आयु के बालक एवं बालिकाओं की एक-एक टीम का जनपद स्तर पर ट्रायल करते हुए एक-एक टीम गठित कर जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जिला प्रशासन द्वारा प्रथम पुरस्कार 11000 रुपए, द्वितीय पुरस्कार साढ़े 5000 रुपए एवं तृतीय पुरस्कार 2500 रुपए का प्रत्येक बालिका एवं बालक टीम के लिए रखा गया है। जनपद स्तर पर प्रतिभागियों का चित्रांकन किया जाएगा, जिसमें ग्रामीण एवं नगरी निकाय के खिलाड़ी अपना ट्रायल देकर टीम के अंदर सहभागिता ले सकेंगे।

तपने लगे दिन, रात अभी भी ठंडी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर का मोसम अब गर्मी की ओर बढ़ने लगा है। जिससे संभावना है कि आगामी दिनों में सर्दी की विदाई और गर्मी के मौसम की शुरूआत दूर नहीं है। वर्तमान में नगर का अधिकतम तापमान भी 32 डिग्री तक पहुंच चुका है तो रात का तापमान भी बढ़ रहा है। सोमवार को नगर का अधिकतम तापमान 32.4 व न्यूनतम 14 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि अब तक अधिकतम तापमान भी 30 डिग्री से नीचे ही दर्ज किया जा रहा था और हवाएं भी लोगों को सर्दी का एहसास करा रही थी। लेकिन बारिश का दौर थमने और मौसम खुलने के बाद दिन का तापमान पिछले दो दिनों से 32 डिग्री से अधिक ही दर्ज किया जा रहा है। वहीं हवाओं की दिशा भी बदल गई है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि आसमान पर हल्के बादल छाए रहे। लेकिन अब बारिश की संभावना नहीं है और न ही तापमान कम होगा। उन्होंने बताया कि तापमान में वृद्धि का दौर जारी रहेगा और आगामी दिनों में दिन का तापमान बढ़कर 35 डिग्री से अधिक पहुंच सकता है।

सावधान रहें, ठगी हो जाए तो 1930 पर संपर्क करें: तिवारी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर ठगी से सावधान करने व विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से साइबर जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां साइबर सेल प्रभारी विकास तिवारी ने विद्यार्थियों को साइबर सेल के बारे में विस्तार से बताया तथा ठगी हो जाने पर बचाव के बारे में भी विस्तार से बताया।

उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ अधिकारी द्वारा वित्तीय धोखाधड़ी, बैंक फ्राड, ओटीपी साझा करने के खतरे, फर्जी लिंक एवं आनलाइन ठगी से बचाव के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही सोशल मीडिया सुरक्षा के अंतर्गत फेसबुक एवं व्हाट्सएप हैकिंग, फर्जी प्रोफाइल, हनी ट्रैप जैसे साइबर अपराधों से सतर्क रहने एवं व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने की सलाह दी गई। श्री तिवारी ने साइबर अपराध होने की स्थिति में त्वरित कार्यवाही हेतु राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 तथा आनलाइन शिकायत पोर्टल के बारे में जानकारी दी एवं लोगों को तत्काल शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर युवाओं को साइबर वालंटियर के रूप में कार्य करने, अपने आसपास के लोगों को जागरूक करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सुरक्षा का संदेश प्रसारित करने हेतु प्रेरित किया गया। पुलिस विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई कि किसी भी प्रकार के संदिग्ध काल, मैसेज या लिंक पर विश्वास न करें तथा साइबर धोखाधड़ी की आशंका होने पर तुरंत 1930 पर संपर्क कर पुलिस को सूचित करें।

एसआईआर के बाद जिले में बढ़े 8 हजार 589 मतदाता

अंतिम मतदाता सूची का हुआ प्रकाशन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एसआइआर 2026 की प्रक्रिया के पूर्ण होने के पश्चात जिले की तीनों विधानसभा में मदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। प्रक्रिया के पश्चात जिले में कुल 11 हजार 397 मतदाताओं की बढ़ोतरी हुई थी, इसमें से शिफ्टिंग और नो मैपिंग के निराकरण के बाद 3713 मतदाता कम हो गए। ऐसे में जिले के कुल मतदाताओं में 8589 मतदाताओं की बढ़ोतरी हुई है।

पूर्व में जिले की तीनों विधानसभा में मिलाकर कुल 6 लाख 75 हजार 798 मतदाता थे। अब एसआइआर 2026 की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशन के बाद कुल मतदाताओं की संख्या 6 लाख 84 हजार 387 मतदाता हो गए है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचू बाफना ने बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचक नामावलियों के अंतिम प्रकाशन किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आमजन अंतिम निर्वाचक नामावली का अवलोकन मतदान केन्द्र पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण ऑफिस, अन्य अभिहित स्थलों पर कर सकते है तथा उनका नाम होने की पुष्टि भी कर सकते है। यह अंतिम निर्वाचक नामावली मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर सर्च सुविधा के साथ उपलब्ध है। साथ ही यह भी बताया गया की प्रारूप प्रकाशन के पश्चात दावे/आपत्ति प्राप्त किये जाने एवं नो मैपिग के मतदाताओं की सुनवाई में मतदाताओं द्वारा आयोग के निर्धारित दस्तावेजो में से दस्तावेज प्रस्तुत नही करने की स्थिति में यदि किसी मतदाता का नाम सूची से विलोपित हुआ है ऐसे मतदाता का नाम फार्म 6 लिया जाकर जोडने की कार्यवाही सतत प्रक्रिया के दौरान की जाएगी जो निरंतर चालू रहेगी। मतदाताओं द्वारा 29 जनवरी 2026 की आयोग की निर्धारित तिथि के उपरांत दस्तावेज प्रस्तुत किये है। उनके फार्म नंबर 6 पोर्टल पर दर्ज भी कर दिये गये है। जिसमें जिले की संख्या 1165 मतदाताओं के नाम शामिल है। इसके अतिरिक्त भी उपस्थित जनप्रतिनिधियो को बताया कि यदि किसी मतदाता का नाम विलोपित हुआ हो तो फार्म नंबर 6 प्रमाण के साथ बीएलओ को प्रस्तुत करवाकर या एनवीएसपी पोर्टल से आवेदन किया जा सकता है। जिले में सबसे न्यूनतम स्थिति में मतदाताओ के नाम विलोपित हुए है। कलेक्टर ने बताया कि फोटो रहित निर्वाचक नामावली 21 फरवरी 2026 की स्थिति में सूची का प्रदर्शन भी सीईओ की वेबसाइट पर किया गया है तथा संबंधित पंचायत भवन शहरी क्षेत्र में संबंधित नगरीय निकाय के सूचना पटल पर तथा संबंधित जनपद पंचायत के कार्यालय के सूचना पटल पर प्रदर्शित की गई है।

इस तरह तीनों विधानसभा में बढ़े मतदाता

(23 दिसंबर 2025)		(21 फरवरी 2026)	
विधानसभा	कुल मतदाता	विधानसभा	कुल मतदाता
शाजापुर 167	238231	शाजापुर 167	239867
शुजालपुर 168	213310	शुजालपुर 168	216823
कालापीपल 169	224257	कालापीपल 169	227697
कुल मतदाता	675798		684687

अपने बच्चों के लिए खाना मांगने गए युवकों को समझा बच्चा चोर, की मारपीट

ज्योति नगर में अफवाह फैलाई अफवाह, पुलिस छुड़ाकर लाई थाने

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ज्योति नगर में पन्नी बीनने वाले दो लोगों को ज्योति नगर के रहवासियों ने बिना बात के पिटाई कर दी। किसी ने अफवाह फैला दी कि यह लोग बच्चा चोरी करने आए हैं। इसके बाद लोग उन पर टूट पड़े। सूचना मिलने पर पहुंची लालघाटी पुलिस ने उन्हें लोगों से छुड़ाया और थाने ले आई। जहां इन लोगों ने बताया कि वे तो अपने बच्चों के लिए खाना लेने के लिए गए थे।

दरअसल दो युवक पन्नी बीनने का काम करते हैं। इसमें से एक युवक हाट मैदान में अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रहता है। जो अपने बच्चों के लिए खाना मांगने के लिए ज्योति नगर इलाके में पहुंच गया। वहां जब उसने कुछ लोगों से खाना मांगा तो किसी ने उससे आधार कार्ड मांगा। उसने कहा कि मेरे पास आधार कार्ड नहीं है। मेरे बच्चे भूखे हैं। आप खाना दे दो। इस पर लोगों ने उन्हें बच्चा चोर समझकर मारपीट शुरू कर दी। इस मामले की सूचना लालघाटी पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और एक युवक को हिरासत में लेकर थाने ले आई। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुनसिंह मुजाल्दे ने बताया कि ज्योति नगर से फोन आने पर पुलिस बल भेजा गया था। एक युवक को थाने लाया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। युवक हाट मैदान में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता है। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों के लिए खाना मांगने गया था, पिटाई कर दी- थाने पहुंचे युवक छम्मा जाटव ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ हाट मैदान में रहता है और उसके दो बच्चे भी हैं। वह अपने परिवार के लिए खाना मांगने ज्योति नगर इलाके में आया था, ताकि उसके बच्चों का पेट भर सके। तभी कुछ लोगों ने बच्चा चोर बच्चा चोर कहकर मारपीट शुरू कर दी।

इनका कहना है- सोशल मीडिया पर बच्चा चोर गिरोह के संबंध में सामने आ रहे वीडियो गलत हैं। शाजापुर में कोई बच्चा चोर गिरोह सक्रिय नहीं है। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की सूचना नजदीकी थाने को दें और किसी भी व्यक्ति के साथ मारपीट न करें।

- यशपालसिंह राजपूत, पुलिस अधीक्षक-शाजापुर

अभिभाषक संघ का शपथ विधि समारोह संपन्न

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने ली पद की शपथ

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अभिभाषक संघ शाजापुर के हाल ही में हुए के नवीन कार्यकाल हेतु नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ विधि समारोह सोमवार को संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मप्र अधिवक्ता संघ सदस्य जय हार्डिया थे। विशेष अतिथि हाईकोर्ट इंदौर के आसिफअली वारसी, अभा संयुक्त अधिवक्ता मंच भोपाल के चंद्रकुमार वालेचा थे तथा अध्यक्षता शुजालपुर के अजयपालसिंह जादौन ने की। इस अवसर पर नवनिर्वाचित पदाधिकारी अध्यक्ष करणसिंह गुर्जर, उपाध्यक्ष गिरधारी लाल देवतवाल, सचिव शैलेन्द्र वर्मा, सह सचिव विकास सक्सेना, कोषाध्यक्ष नरेंद्र जायसवाल, लाईबेरियन सचिव तेजकरण मेवाड़ा को वरिष्ठ अधिवक्ता इकबाल अहमद सिद्दीकी द्वारा शपथ दिला कर के निर्वाचन अधिकारी कृष्ण कांत कराड़ा के द्वारा प्रमाण पत्र सौंपा गया। इसके बाद सभी अधिवक्ताओं ने पुष्पमाला पहनाकर सभी पदाधिकारियों का स्वागत कर शुभकामनाएं दी। वहीं नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों के समक्ष आय व्यय का ब्यौरा पूर्व अध्यक्ष विवेक शर्मा ने प्रस्तुत किया। साथ ही निर्वाचित 2 वर्षो तक 2026 से 2028 तक बार के आगामी कार्यो की रूप रेखा तैयार करने पर चर्चा की गई। संचालन पूर्व सचिव धीरज सिसोदिया ने किया तथा आभार गिरधारी देवतवाल ने माना। यह जानकारी जिला अभीभाषक संघ के मीडिया प्रभारी सईद पठान बेरछा ने दी।

रेलवे-सड़क सहित अन्य अधोसंरचनात्मक कार्यों की नियमित समीक्षा होगी

सीहोर /दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में चल रहे रेलवे, सड़क सहित अन्य अधोसंरचना के बड़े प्रोजेक्ट की प्रतिमाह प्रगति की समीक्षा की जाएगी। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन और भारत सरकार के कैबिनेट सचिवालय में सचिव समन्वयक श्री मनोज कुमार गोविल ने सोमवार को मंत्रालय में संयुक्त रूप से पी.एम मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक में केंद्र के महत्वपूर्ण 11 प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय-सीमा अनुसार परियोजनाओं का क्रियान्वयन करें और पी.एम गति शक्ति पोर्टल पर प्रगति रिपोर्ट से नियमित अवगत कराएं।

मुख्य सचिव श्री जैन ने जबलपुर में प्रस्तावित 100 बिस्तरीय ई.एस.आई अस्पताल के लिए शीघ्र ही भूमि आवंटन के लिए आवेदन देने के श्रम विभाग को निर्देश दिए और कहा कि आवेदन प्राप्त होने के दो-तीन माह में भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाए। इस दौरान इंदौर-बुधनी नई रेललाइन, रामगंज मंडी से भोपाल नई रेललाइन परियोजना, सतना-रीवा रेल्वेलाइन के दोहरी करण कार्य, इटारसी-नागपुर तीसरी रेल लाइन, रतलाम-महू-खंडवा अकोला गेज परिवर्तन कार्यों की गहन समीक्षा की गयी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे भूमि अधिग्रहण के सभी प्रकरणों के निराकरण और उनमें पारित मुआवजा राशि के वितरण कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने विभिन्न विभागों के बीच अनुमतियों आदि के लिए लगने वाले समय को न्यूनतम करने के भी निर्देश दिएं।

समीक्षा बैठक में शाहगंज बायपास से बाड़ी सेक्शन के फोर-लाइन प्रोजेक्ट की डिजाइन की समीक्षा की गई तथा अब तक भूमि के अधिग्रहण और पारित मुआवजा राशि के वितरण की जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान इंदौर वेस्टर्न सिक्स लाइन बायपास निर्माण कार्य की समीक्षा की गई और धार कलेक्टर तथा उद्योग विभाग को लंबित भू-अधिग्रहण प्रकरणों को समन्वय कर निपटाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान मंडला?जिले के चुटका परमाणु ऊर्जा, संयंत्र परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण संबंधी विभिन्न प्रकरणें की भी समीक्षा की गई।

जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण, गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त करें अधिकारी, कर्मचारी - कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने निष्पक्ष, पारदर्शी एवं पूर्ण निष्ठा के साथ मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को संपन्न कराने पर सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी ने टीम भावना के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समयसीमा में अपने दायित्वों का सफल निर्वहन किया है। कलेक्टर ने मतदाता सूची के कार्य को लोकतांत्रिक प्रक्रिया की आधारशिला बताया। साथ ही उन्होंने रूद्राक्ष महोत्सव के सफल आयोजन के लिए भी समस्त विभागीय अमले को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आयोजन के दौरान बेहतर समन्वय एवं व्यवस्थाओं के कारण कार्यक्रम सफल रहा।

बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने जनगणना के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारीपूर्ण दायित्व है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि प्रशिक्षण में दी गई सभी जानकारियों को भली-भांति समझकर कार्य करें। उन्होंने जनगणना कार्य को पूरी निष्ठा, सटीकता एवं समयबद्ध तरीके से संपादित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने बैठक में नेशनल हाइवे एवं रेल परियोजनाओं के लिए भू-अर्जन कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में विलंब न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारी समय सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तित करने की प्रक्रिया को गति देने तथा वनाधिकार दावों की नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने गिरदावरी कार्य में सरसों के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों को भी शामिल करने के निर्देश दिए, ताकि वास्तविक उत्पादन का सही आकलन हो सके। उन्होंने गेहूं उपार्जन के लिए प्रतिदिन अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन कराने तथा प्रगति की सतत मॉनिटरिंग करने को कहा। साथ ही उन्होंने ई-टोकन व्यवस्था के माध्यम से खाद वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को निर्धारित समय पर उर्वरक उपलब्ध हो सके और अनियमितताओं पर रोक लगाई जा सके। बैठक में अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, श्री जमील खान, श्री रविंद्र परमार, एसडीएम श्री नितिन टाले, श्री तन्मय वर्मा, श्रीमती स्वाति मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रेम सिंह गौड़ सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्ती से रोक लगानें के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नरवाई जलाने से पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है, भूमि की उर्वरता प्रभावित होती है तथा आमजन के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। कलेक्टर ने राजस्व, कृषि एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को संयुक्त रूप से निगरानी रखने तथा ऐसे मामलों में तत्काल दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शिक्षकों के हित में समग्र शिक्षक संघ के प्रयास व सफलता के परिणाम मिल के पत्थर साबित हुए है - सुरेश चंद्र दुबे

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समग्र शिक्षक संघ मध्यप्रदेश शाखा बदनावर के तत्वावधान में रविवार को संघ के प्रदेशाध्यक्ष श्री सुरेश चंद्र जी दुबे का अभिनंदन समारोह व समग्र प्रतिनिधियों का सम्मेलन का आयोजन किया गया ,जिसके मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्र दुबे व विशेष अतिथि प्रांतिय प्रवक्ता श्री प्रदीप सिंह पंवार,प्रदेश उपाध्यक्ष श्री जयराज सिंह देवड़ा, बीआर सी सी गुजराती, पूर्व बीईओ श्री बी एल पाटीदार, संभागीय महामंत्री तुकाराम पाटीदार, संभागीय सचीव महेश जोशी, जिला सचीव श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती अमीर बी खान व जिला उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्र बघेल थे ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला धार समग्र शिक्षक संघ अध्यक्ष श्री रामचंद्र जी जाट ने की । अतिथियों का स्वागत आयोजक, मुकेश पुरोहित,बदनावर तहसील के अध्यक्ष कांजी मुनिया,ब्लॉक अध्यक्ष देवीलाल खराड़ी, राकेश शर्मा, औंकार लालजी पाटीदार,ईश्वर चंद्र जोशी, उषा माथुर, भूपेंद्र रावल, आदि ने किया । कार्यक्रम में समग्र शिक्षक संघ के जिले से पधारे वरिष्ठ सेवानिवृत्ति शिक्षकों के साथ ही बदनावर के समस्त सत्ताईस से अधिक सेवानिवृत्त शिक्षकों का शाल, श्रीफल, व स्मृति चिन्ह के साथ सम्मान भी किया गया । प्रदेशाध्यक्ष श्री सुरेश जी दुबे का अभिनंदन पत्र व स्मृति चिन्ह व शाल श्री फल से विशेष सम्मान किया गया ।

इस अवसर पर समग्र शिक्षक संघ की जिला कोषाध्यक्ष श्रीमती उषा माथुर मेम सेवानिवृत्ति होने पर शाल श्रीफल व अभिनंदन पत्र अर्पित कर सम्मान किया गया ।अभिनन्दन पत्र का वाचन श्री राकेश शर्मा राष्ट्रीय कवि तथा श्री भूपेंद्र रावल ने किया अभिनंदन व स्वागत की लंबी चली श्रृंखला में कई क्षण ऐसे भी आये, जिससे भावुकता की स्थिति भी बनी । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रांतिय प्रवक्ता श्री प्रदीप सिंह पंवार ने समग्र शिक्षक संघ की 2016से स्थापना के बाद संघ की दो सूत्रीय मांग को पूर्ण कराने के साथ ही समग्र के माध्यम से चतुर्थ कृमोन्नत वेतनमान मिलने की शिक्षकों को बधाई दी ।श्री पंवार ने कहा कि शिक्षकों के हित में समग्र के प्रयासों मे कोई कमी नहीं रहेगी । मुख्य अतिथि श्री सुरेश जी दुबे ने अपने वक्तव्य में समग्र शिक्षक संघ की सफलता में प्रदेश के सभी जिलों के संगठन की एकजुटता को प्रमुख आधार बताते हुए कहा कि संगठन की शक्ति ही सफलता का आधार बनती है । अधिकारियों व प्रशासन के अधिकारियों से मिलने के क्रम में जरा सी भी चूक होती तो शिक्षकों की मांगों को पूर्ण करवाने में दिक्कतें आती ।समग्र के अध्यक्ष के रूप में मैंने, संघ के महामंत्री संजय यादव? व प्रदेश के पदाधिकारीगण के आठ-आठ दिन में सक्षम अधिकारियों व मंत्रीगणों, व माननीय मुख्यमंत्री जी के साथ समय समय पर मिलने से हमारी तृतीय कृमोन्नत वेतनमान, वरिष्ठ पद पर पदभार के आदेश व अभी चतुर्थ वेतनमान दिलाये जाने के कार्य चरणबद्ध तरीके से पूर्ण हुए हैं ।

श्री दुबे ने बताया कि तीन सो दिवस के अर्जित अवकाश के भी स्वीकृति की खुशियां आपको शिघ्र मिलेगी व सेवानिवृत्त शिक्षक अपने आवेदन के माध्यम से पैंशन व अर्जित अवकाश के आवेदन को पुनः रिवाइज करवाने की कार्यवाहीं करें । श्री दुबे ने कहा कि शिक्षकों के अनंत लाभ के लिए समग्र शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रयास मिल के पत्थर साबित हुए हैं सेवानिवृति के कार्यक्रम के अवसर पर उषा माथुर ने कहा कि समग्र के एक छोटे से कार्यकर्ता का स्वागत इतने समग्र परिवार द्वारा बड़े स्तर पर होना मेरे लिए गर्व का विषय हे में इस अभिनन्दन से अपने आप को गौरांवित महसूस करती कार्यक्रम को भी डी एन गुजराती, बी एल पाटीदार, कैलाशचंद्र बघेल, महेश जोशी, राजेन्द्र जी शर्मा, रामचंद्र जाट, राकेश?शर्मा, भूपेंद्र रावल रतनलाल पुदड आदि ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम में बदनावर विकासखंड के सैकड़ों शिक्षकों के साथ ही रतलाम, इंदौर मनावर, सरदारपुर, कुक्षी, धामनोद, धरमपुरी व धार के समग्र के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही ।कुल मिलाकर पचास से अधिक शिक्षकों के सम्मान का यह समारोह कार्यक्रम गरिमामय अंदाज में संपन्न हुआ ।कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम के सूत्रधार समग्र शिक्षक संघ जिला धार के संरक्षक श्री रमेशचन्द्र राठौड़ ने संघ की विभिन्न गतिविधियों की एतिहासिक पृष्ठभुमि का विवरण रखते हुए सफलतापूर्वक किया तथा वर्ष में एक बार वर्षभर के सेवानिवृत शिक्षकों का कार्यक्रम बहुत रहे इसी भावना व्यक्त की आभार संघ के बदनावर के संभागीय सचीव श्री मुकेश पुरोहित ने किया । कार्यक्रम के अंत में सहभोज का आयोजन भी रखा गया था ।

चावला अजा मोर्चे के प्रदेश नीति एवं शोध प्रभारी नियुक्त

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से एससी मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारियों नियुक्तियों की सूची जारी करते हुए विभिन्न पदों पर नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। इसमें बदनावर नगर के पूर्व पार्षद प्रवीण चावला को भी शामिल किया गया। चावला को मोर्चे का नीति एवं शोध प्रभारी नियुक्त किया गया। चावला इसके पहले मोर्चे की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रह चुके है। नियुक्ति पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद परमार व सुनिल मोदी, भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि, जिला सहकोषाध्यक्ष अनामिका ठाकुर, भाजपा के सभी छह मंडलो के अध्यक्ष मनीष गुर्जर, संजय सिंह राठौर, गोविंद रघुवंशी, संतोष ढोलकिया, दिलीपसिंह सोलंकी व आशीष जैन समेत पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने बधाई दी व संगठन का आभार माना।

चौहान जन प्रकृति सेवा मंच के म.प्र. मीडिया प्रभारी नियुक्त

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जन प्रकृति सेवा मंच द्वारा राजेश चौहान को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। संस्था की ओर से जारी नियुक्ति पत्र क्रमांक JPSM005, दिनांक 22 फरवरी 2026 के अनुसार राजेश चौहान (तिलगारा , धार, मध्य प्रदेश) को उनके सामाजिक योगदान, निष्ठा एवं कार्यक्षमता को देखते हुए मध्य प्रदेश मीडिया प्रभारी पद पर नियुक्त किया गया है। नियुक्ति पत्र में उल्लेख किया गया है कि संगठन को आशा है कि वे जन प्रकृति सेवा मंच के उद्देश्यों, नियमों एवं आदर्शों का पालन करते हुए समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण तथा जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उनकी नियुक्ति 22/02/2026 से प्रभावी मानी जाएगी। संस्था ने विश्वास व्यक्त किया है कि चौहान अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन ईमानदारी, निष्ठा एवं समर्पण के साथ करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। संस्था की ओर से उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई है। चौहान के प्रदेश मीडिया प्रभारी बनने पर पत्रकार साथियों एवं ईस्ट मित्रों में बधाई दें।

जैविक हाट बाजार में ऑर्गेनिक डेरी उत्पाद भी शामिल करें पशुपालन विभाग़

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में पशु कल्याण समिति एवं जिला स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति (डीएलसीसी) की बैठक सुशासन भवन स्थित सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने पशुपालन विभाग को निर्देश दिए कि अभिव्यक्ति स्थल पर प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाले जैविक हाट बाजार में ऑर्गेनिक डेरी उत्पादों के स्टॉल भी लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि जैविक डेरी उत्पादों को शामिल करने से अधिक से अधिक लोगों को शुद्ध एवं स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद उपलब्ध हो सकेंगे। कलेक्टर ने सभी गौशालाओं में बेसिक प्रोसेसिंग की व्यवस्था विकसित करने तथा ऑर्गेनिक खाद एवं अन्य उत्पाद के संबंध में निर्देश भी दिए।

जिला स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर ने सभी बैंकों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि बैंक जनकल्याणकारी योजनाओं में स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करें। बैठक में मुद्रा योजना, अटल पेंशन योजना, उद्यम क्रांति योजना, जिला अंत्यव्यवसाय योजना, संत रविदास योजना, टाट्या मामा योजना, आर्थिक कल्याण योजना, भगवान बिरसा मुंडा योजना सहित पशुपालन, उद्यानिकी, कृषि विभाग एवं नगरीय निकाय अंतर्गत पीएम स्वनिधि योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बैंक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भगवान से भी बड़ा होता है भक्त का पद- ब्रजकिशोर नागर

धार रोड स्थित प्रसिद्ध धारावरा धाम में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संसार में शक्ति और पद अस्थायी हैं, लेकिन भक्त का पद सबसे ऊंचा और स्थाई होता है। कलियुग में केवल भक्ति ही वह माध्यम है जिससे ईश्वर को सुलभता से पाया जा सकता है। ?समर्पण ही श्रेष्ठ है, भगवान धन, संपत्ति या विद्वता से नहीं, बल्कि केवल भाव से रीझते हैं। जब इंसान अपना अहंकार त्याग कर ईश्वर की शरण में आता है, तब वह साधारण मनुष्य से भक्त बन जाता है और भगवान उसके ऋणी हो जाते हैं। उक्त विचार धार रोड़ स्थित धरावरा धाम में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन शाजापुर से पधारे ब्रजकिशोर नागर ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि परमात्मा को वश में करने की शक्ति केवल प्रेम और अटूट भक्ति में है। एक सच्चा भक्त भगवान को अपने प्रेम की डोरी से बांध लेता है। व्यासपीठ का पूजन कथा के मुख्य यजमान नानूराम चौधरी ने सपत्नीक किया। साकेतवासी घनश्यामदास जी महाराज की स्मृति में पीठाधीश्वर सुकदेवदास महाराज के सानिध्य में मानस सम्मेलन के अंतर्गत कथा का आयोजन किया जा रहा हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष दिनेश गर्ग, कल्याण भांगडिया, प्रकाश पटेल, ताराचंद खण्डेलवाल, मनोहर चौधरी, निलेश उपाध्याय, प्रवीण मोहन चौधरी, अम्बाराम कोतवाल, विष्णु सोनी, योगेश चौधरी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे। कथा प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक चल रही हैं।

वाहनों पर ब्लेक फिल्म पाए जाने पर सख्त कार्यवाही की जाए- श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में वाहनों पर काली फिल्म लगाकर वाहन उपयोग करने वालों के विरूद्ध अभियान चलाकर सख्त कार्यवाही की जाए। हेलमेट का उपयोग नहीं करने वाले, दो पहिया वाहन चालकों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही की जाए। सभी शासकीय सेवक, वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के विरूद्ध भी कार्यवाही निरंतर जारी रहे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में परिवहन अधिकारी एवं यातायात थाना प्रभारी को दिए गये। बैठक में एसपी श्री अंकित जायसवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिह सिसोदिया, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण श्री अमित नागेंश, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद सहित अन्य जिला अधिकारी एवं समिति की सदस्यगण उपस्थित थे। बैठक में बताया गया, कि परिवहन विभाग द्वारा एक माह में ओव्हरलोड बस एवं ट्रकों पर 65 हजार रूपये की चालानी की गई है। इसके अलावा 145 चालानी कार्यवाही, पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से भी की गई है। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निजी एम्बुलेंस वाहनों का पंजीयन करने और जानकारी संकलित कर प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। एमपीआरडीसी को हाईवे पर सडकों के शोल्डर्स पर अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माणाधीन पुल, पुलियाओं, सडकों के निर्माण स्थल पर डायसवर्सन, बोर्ड, रिप्लेक्टर संकेतक अनिवार्य रूप से लगवाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गये। बैठक में कलेक्टर ने सगराना घाटी पर गति सीमा, दुर्घटना संभावित क्षेत्र के संकेतक बोर्ड लगवाने और ब्लिंकर लगाने रेडियम पट्टी, स्पीड ब्रेकर पर मार्किंग करवाने के निर्देश भी एम.पी.आर.डी.सी. को दिए हैं।

विकसित भारत मिशनः रोजगार और आजीविका गारंटी के लिए चलेगा जन-संवाद अभियान

रीवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्र सरकार की विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका की गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 के प्रावधानों को आम जन तक पहुँचाने के लिए जिले में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने रीवा और मऊगंज जिले के सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इस विशेष आई.ई.सी. (सूचना, शिक्षा एवं संचार) कार्यक्रम का लक्ष्य ग्रामीण स्तर पर रोजगार अधिकारों को सुदृढ़ करना और मजदूरी भुगतान प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। सरकार का उद्देश्य है कि पंचायत आधारित योजनाओं के क्रियान्वयन को सशक्त बनाया जाए और ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए। जिला पंचायत सीईओ ने कहा है कि विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर सार्वजनिक संवाद आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। कार्यक्रमों की नियमित निगरानी की जाएगी और समय-समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

महिला एवं बाल विकास, शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग का बनाया जाएगा डैशबोर्ड : कलेक्टर

संकल्प से समाधान अभियान में 54,763 आवेदन प्राप्त, साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में सोमवार को सुशासन भवन में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने लोक सेवा प्रबंधक को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की तर्ज पर जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का समेकित डैशबोर्ड तैयार किया जाए, जिससे योजनाओं की प्रभावी समीक्षा हो सके तथा कार्यों में गति लाई जा सके।

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि जर्जर एवं खराब भवनों का सर्वे कर रिपोर्ट भेजे तथा जिन स्कूल भवनों की छत खराब है उनका शीघ्र मरम्मत कार्य कराया जाए। इस संबंध में प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में तंबाकू बिक्री एवं डीजे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने तथा विद्यालयों के आसपास का वातावरण नियमित रूप से जांचने के निर्देश भी दिए। बैठक में नगरीय निकायों को निर्देश दिए गए कि प्रत्येक माह की 3 तारीख को पानी की टंकियों की साफ-सफाई कराई जाए तथा अन्य जल स्रोतों की सफाई हेतु कैलेंडर बनाकर नियमित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत जिले में अब तक 54,763 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। कलेक्टर ने क्लस्टर स्तर पर शिविर आयोजित करने तथा एसडीएम को नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

गेहूं उपार्जन अंतर्गत किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि 7 मार्च निर्धारित है तथा 10 मार्च तक सत्यापन कार्य पूर्ण किया जाना है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सत्यापन कार्य सतत रूप से जारी रखने के निर्देश दिए।

बैठक में राजस्व विभाग को राजस्व वसूली कार्य में विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए।

एकल ग्राम नलजल योजना के शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करें - प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य

रीवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री पी नरहरि ने भोपाल से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से रीवा एवं शहडोल संभाग में एकल ग्राम नलजल योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि गुणवत्तापूर्ण कार्य समय सीमा में पूरे किए जाएं। इसकी गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जिन संविदाकारों के कारण कार्य में विलंब हो रहा हो उनके विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में श्री नरहरि ने कहा कि रीवा एवं शहडोल संभाग एकल नलजल योजना में प्रदेश के अन्य संभाग में अपेक्षाकृत निचले पायदान पर हैं। कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत लगातार मानीटरिंग कर कार्य को गति दिलवाएं। उन्होंने संभागायुक्तों से अपेक्षा की कि वह योजना की प्रगति की नियमित मानीटरिंग करें ताकि सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण हो सकें।

प्रमुख सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कहा कि भारत सरकार की हर घर शुद्ध जल पहुंचाने की यह महत्वपूर्ण योजना है। इसमें प्रदाय की गई राशि का पूरी तरह से सदुपयोग हो तथा समय सीमा में ग्रामवासियों को शुद्ध जल मिल सके। उन्होंने कहा कि रीवा संभाग में एकल नलजल योजना अन्तर्गत घरेलू नलजल के 60148 कार्य शेष हैं। अभियान चलाकर कार्य को गति देते हुए 31 मार्च 2026 तक सभी कार्य पूरे कर लिए जाएं। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल ने बताया कि रिवीजन में लिए जाने के कारण नई निविदा के कार्य से देरी हुई है। इनमें से 17 हजार कनेक्शन मार्च तक तथा शेष 10 हजार कनेक्शन जून माह तक पूरे करा लिए जाएंगे। प्रमुख सचिव ने रीवा एवं शहडोल संभाग में एकल नलजल योजना के पूर्ण कार्यों की समीक्षा के दौरान कहा कि पूरी हो गई योजनाओं का समारोहपूर्वक ग्राम पंचायत को हस्तांतरण किया जाए। उन्होंने जिला स्तर से समन्वय बनाकर सभी कार्यों को पूर्ण किए जाने की अपेक्षा की। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में जल सेवा आकलन, पीएम गतिशक्ति एवं पुनरीक्षित योजनाओं से बसाहटों में प्रदाय किए जाने वाले नल कनेक्शन की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर कमिश्नर बीएस जामोद ने आश्वस्त किया कि लगातार मानीटरिंग कर कार्य को समय सीमा में पूरा करा लिया जाएगा।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका चयन की अनंतिम सूची जारी

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एकीकृत बाल विकास की खण्डवा शहरी परियोजना में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 6 एवं आंगनवाड़ी सहायिका के 12 रिक्त पदों पर एम.पी. ऑनलाईन के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदनों के आधार पर गत दिनों अनुविभागीय अधिकारी राजस्व खण्डवा की अध्यक्षता में विकासखण्ड स्तरीय चयन समिति की बैठक आयोजित हुई।

समिति द्वारा एम.पी. ऑनलाईन पोर्टल पर जारी अंतरिम सूची का अवलोकन किया गया तथा ऑनलाईन पोर्टल पर अपलोड दस्तावेजों का अवलोकन करते हुए पात्रता अनुसार ऑनलाईन अंनतिम सूची का सत्यापन किया गया। एम.पी. ऑनलाईन पोर्टल पर आवश्यक कार्यवाही के बाद 21 फरवरी को अनंतिम मेरिट सूची ऑनलाईन प्रकाशित कर दी गई है। सूची का अवलोकन https://chayan.mponline.gov.in पर एवं लालचौकी खण्डवा स्थित खण्डवा शहरी परियोजना अधिकारी कार्यालय में किया जा सकता है।

कलेक्टर ने किया नीमच में दो दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण का शुभारंभ

नागरिकों को अपना जनगणना डेटा स्वयं ऑनलाईन भरने की मिलेगी सुविधा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के जनगणना कार्य निदेशालय के निर्देशानुसार जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन हेतु नियुक्त चार्ज अधिकारियों का दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण जिला पंचायत सभागार में प्रारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण 23 एवं 24 फरवरी 2026 को दो दिवस आयोजित हो रहा है। इस मौके पर कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस.कलेश, सभी एसडीएम, तहसीलदार, सीएमओ उपस्थित थे।

प्रशिक्षण में सभी एसडीएम, तहसीलदार, नगरपालिका एवं नगरपरिषद के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों तथा जनगणना लिपिकों ने सहभागिता की। जनगणना के नोडल अधिकारी श्री अभिषेक सिंह ठाकुर एवं श्री संदीप सिह ने प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण के दौरान अवगत कराया गया, कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 01 से 30 मई 2026 की अवधि में संपन्न किया जाएगा। इसके लिए नगरीय एवं ग्रामीण स्तर पर चार्ज अधिकारियों की नियुक्ति की जा चुकी हैं।

प्रथम चरण में मकान सूचीकरण कार्य के अंतर्गत प्रत्येक भवन का सर्वेक्षण किया जाएगा। सुपरवाइजर के निर्देशन में प्रगणक घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। प्रशिक्षण में यह भी स्पष्ट किया गया कि सूचीकरण कार्य सावधानी एवं पारदर्शिता के साथ किया जाए।

इस बार जनगणना कार्य में डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा हैं। आंकड़ों का संग्रह मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक गणना ब्लॉक की सीमा को जीपीएस तकनीक से कैप्चर किया जाएगा। समस्त कार्य की रियल टाइम मॉनिटरिंग Census Management and Monitoring System (CMMS) पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। जिला स्तर पर चार्ज स्तरीय एडमिन आईडी तैयार कर फिल्ड ट्रेनर्स एवं मास्टर ट्रेनर्स की जानकारी पोर्टल पर दर्ज की जाएगी। इसके साथ ही विभिन्न चरणों की प्रगति की नियमित समीक्षा भी की जाएगी।

निवासियों को स्व-गणना की सुविधा- जनगणना 2027 में नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से एक स्व-गणना वेब पोर्टल विकसित किया गया है। Self Enumeration Web Portal के माध्यम से निवासी स्वयं ऑनलाइन अपना जनगणना डेटा भर सकेंगे। इससे आंकड़ों की सटीकता में सुधार होगा, प्रगणकों का कार्यभार कम होगा तथा डिजिटल डेटा संग्रह प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनेगी।

जिला प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से जनगणना कार्य को पूर्ण जिम्मेदारी एवं गंभीरता के साथ संपन्न करने का आह्वान किया हैं।

प्रारंभ में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने दीप प्रज्जवलन कर चार्ज अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होने जनगणना प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा, कि जनगणना एक महत्वपूर्ण कार्य है। जनगणना जनकल्याण का आधार है।

प्रारंभ में डिप्टी कलेक्टर श्री पराग जैन एसडीएम श्री संजीव साहू ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की रूपरेखा पर एडीएम श्री बी.एस.कलेश ने प्रकाश डाला।

कार्यालय सहायक आबकारी आयुक्त देवास (म.प्र.)

E-mail: deo.mpeddwsamp.gov.in

वाहन अनुबंध विज्ञप्ति

सर्वसाधारण की जानकारी एवं ट्रेवल एजेन्सियों की विशेष जानकारी के लिये यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय सहायक आयुक्त आबकारी, जिला देवास में अपराध नियंत्रण एवं प्रवर्तन कार्य हेतु वित्तिय वर्ष 2025-26 की शेष अवधि (दिनांक 01.03.2026 से दिनांक 31.03.2026 तक की अवधि) के लिये अच्छी हॉलत में 01 वाहन को किराये पर लेने हेतु मासिक आधार पर दरें प्रस्तुत करने हेतु सीलबंद निविदायें दिनांक 27.02.2026 को दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, माहन भ्रमण की सीमा प्रतिमाह 2500 किलो मीटर रहेगी। इच्छुक निविदादाता निविदा की अन्य शर्तों की जानकारी एवं निविदा प्रपत्र रूपये 500/- (पाँच सौ मात्र) का भुगतान ई चालान (विभागीय शीर्ष 0039-00-800-0761 अन्य प्राप्तियों) के माध्यम से जमा कर कार्यालय सहायक आयुक्त आबकारी जिला देवास से कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकते है। इच्छुक निविदादाता सीलबंद निविदायें दिनांक 27.02.2026 को दोपहर 1:00 बजे तक प्राप्त की जावेगी एवं प्राप्त सीलबंद निविदायें इसी दिनांक को दोपहर 3:00 बजे खोली जावेगी।

निविदा की प्रमुख शर्तें निम्नानुसार है-

1. क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में टेक्सी कोटे में रजिस्टर्ड वाहन ही किराये पर लिये जावेगें।
2. वाहन के ईंधन/ड्रायवर/मैन्टेनेंस संबंधी व्यय एवं सभी प्रकार के देय टैक्स वाहन स्वामी द्वारा वहन किये जायेगें तथा वाहन 24 घण्टे के लिये उपलब्ध कराना होगा।
3. वाहन स्वामी को स्वयं का आयकर पेन नम्बर प्रस्तुत करना होगा एवं आयकर अधिनियम की धारा 194 सी अनुसार किराया भुगतान राशि पर टी.डी.एस. एवं जी.एस.टी. कटौत्रा की राशि नियमानुसार वसूल किया जावेगा।
4. विभाग द्वारा अनुबंधित शर्तों की लिखित स्वीकृति 1000/- रूपये के स्टाम्प पेपर पर देने के उपरांत ही वाहन किराये पर लिया जा सकेगा। वाहन किराये पर लेने संबंधी अन्य शर्तों की जानकारी एवं विवरण अवकाश के दिनों को छोड़कर कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।
5. आबकारी आयुक्त द्वारा, किराये पर लिये गये वाहनों के मासिक किराया राशि में परिवर्तन एवं संशोधन होने पर संशोधित राशि मान्य होगी।
7. आबकारी आयुक्त मध्यप्रदेश ग्वालियर का पत्र क/बजट/प्रा.वा./2022/472 ग्वालियर दिनांक 02.08 2022 अनुसार वाहन किराये का भुगतान अधिकतम 42,000/- तक किया जा सकेगा।

(मनीष खरे)
सहायक आयुक्त आबकारी
जिला देवास (म.प्र.)
देवास दिनांक 18/02/2026

जनगणना-2027 हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना-2027 का कार्य दो चरणों में किया जाना है। इस संबंध में अधिसूचना मध्यप्रदेश के राजपत्र में प्रकाशित की जा चुकी है। जनगणना कार्य को निर्धारित समयावधि में सफलतापूर्वक संपादित करने हेतु राज्य शासन द्वारा नियुक्त अधिकारियों के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

जनगणना कार्य निदेशालय भोपाल से नियुक्त प्रशिक्षक श्री कुलदीप चावडा एवं श्री शुभम जैन अधिकारियों द्वारा जिला स्तरीय प्रशिक्षण कलेक्टर सभाकक्ष में दिया गया।

प्रशिक्षण में जनगणना की समस्त प्रक्रियाओं, दायित्वों एवं तकनीकी व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बताया गया कि जनगणना का प्रथम चरण - मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना अप्रैल से सितंबर 2026 तक संपन्न होगा (मध्यप्रदेश में 1 मई से 30 मई 2026)। इस चरण में सभी भवनों, जनगणना मकानों एवं परिवारों की पहचान कर उन्हें सूचीबद्ध किया जाएगा तथा आवास की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं एवं परिसंपत्तियों से संबंधित जानकारी संकलित की जाएगी। यह चरण द्वितीय चरण की जनसंख्या गणना के लिए आधार तैयार करेगा, ताकि कोई भी व्यक्ति गणना से वंचित न रहे।

जनगणना का द्वितीय चरण - जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा (बर्फ से ढके क्षेत्रों के लिए सितंबर 2026)। संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027, प्रातः 00:00 बजे निर्धारित की गई है। इस चरण में प्रत्येक व्यक्ति की गणना कर आयु, लिंग, साक्षरता, आर्थिक गतिविधि आदि से संबंधित जानकारी संकलित की जाएगी, जिससे देश की जनसंख्या का सटीक चित्र प्रस्तुत किया जा सके।

जनगणना-2027 में पहली बार स्व-गणना की सुविधा भी प्रदान की गई है। नागरिक वेब पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार की जानकारी स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे, जिससे एक विशिष्ट SE ID जनरेट होगी। हालांकि, प्रत्येक घर का प्रगणक द्वारा भौतिक सत्यापन अनिवार्य रहेगा। स्व-गणना सुविधा पूरक है और यह फील्ड सत्यापन का विकल्प नहीं है।

जनगणना-2027 के सफल संचालन हेतु प्रगणकों, पर्यवेक्षकों एवं चार्ज अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका निर्धारित की गई है। प्रगणक प्रशिक्षण प्राप्त कर HLO मोबाइल ऐप के माध्यम से अपने आवंटित क्षेत्र के प्रत्येक भवन एवं परिवार का घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे। वे मकानसूचीकरण ब्लॉक का लेआउट तैयार करेंगे, आवश्यक होने पर भवनों की क्रमांक अंकित करेंगे तथा स्व-गणना करने वाले परिवारों की SE ID का भौतिक सत्यापन कर त्रुटिरहित डेटा संकलित एवं समय-समय पर सिंक करेंगे। पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करना उनकी प्रमुख जिम्मेदारी होगी।

पर्यवेक्षक प्रगणकों के कार्य की निगरानी करेंगे तथा ब्लॉक सीमाओं का भौतिक सत्यापन करेंगे। वे डेटा की गुणवत्ता की जांच, स्पॉट निरीक्षण, त्रुटियों पर टिप्पणी एवं सुधार सुनिश्चित करेंगे। साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगे कि किसी ब्लॉक में ओवरलैप या अंतराल न रहे और कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हो।

चार्ज अधिकारी अपने अधिकार क्षेत्र में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण व्यवस्था एवं ब्लॉक गठन की जिम्मेदारी निभाएंगे। वे CMMS पोर्टल के माध्यम से नियुक्ति पत्र जारी करना, कार्य आवंटन, प्रगति की समीक्षा एवं फील्ड निरीक्षण सुनिश्चित करेंगे। साथ ही त्रुटियों को चिन्हित कर पुनः सत्यापन कराना तथा प्रत्येक ब्लॉक का पूर्ण एवं त्रुटिरहित कवरेज सुनिश्चित करना उनकी प्रमुख जिम्मेदारी होगी।

जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करें, ताकि विकास योजनाओं के लिए विश्वसनीय एवं अद्यतन आंकड़े उपलब्ध कराए जा सकें।

इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थान्दला श्री महेश मण्डलोई, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री भास्कर गाचले, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर सुश्री अवनधती प्रधान, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने रामा में विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, अपूर्ण कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ श्री जितेन्द्रसिंह चौहान द्वारा जनपद पंचायत रामा के समस्त स्टाफ की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत अपूर्ण आवासों को प्राथमिकता से पूर्ण कराने हेतु 15 दिवस की समय-सीमा निर्धारित की गई। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निर्धारित अवधि में सभी लंबित आवास पूर्ण कर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए।

इसी प्रकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) अंतर्गत जॉब कार्ड केवाईसी एवं ई-केवाईसी कार्यों की समीक्षा की गई। विशेष रूप से पलायित श्रमिकों के वापस लौटने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए 10 मार्च 2026 तक शत-प्रतिशत केवाईसी पूर्ण करने के निर्देश मनरेगा एपीओ एवं पीसीओ को दिए गए।

सामुदायिक भवन एवं आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने हेतु सहायक यंत्री को निर्देशित किया गया। साथ ही जनपद में पदस्थ एडीईओ/पीसीओ को अपने-अपने क्लस्टर की गहन मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में 15वें एवं 5वें वित्त आयोग अंतर्गत अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए। राज्य स्तर पर प्रवासी श्रमिकों हेतु संचालित पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत झाबुआ जिले में चयनित रामा जनपद के प्रवासी श्रमिकों की पोर्टल पर शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करने के लिए संबल शाखा प्रभारी एवं पीसीओ को निर्देशित किया गया।

इसके अतिरिक्त संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत क्लस्टरवार निर्धारित तिथियों के अनुसार शिविर आयोजित कर लंबित आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश शिविर प्रभारियों को दिए गए।

बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिला अस्पताल की कीमोथैरेपी यूनिट से मरीजों को मिल रहा जीवनदान

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय खण्डवा में कीमोथेरेपी की सुविधा पुरानी आई.सी.यू. यूनिट में संचालित की जा रही है। यहां पर कुल 4 बेड की कीमोथेरेपी यूनिट बनाई गई है, जिसमें मरीजों को सुबह भर्ती होकर लगातार शाम तक डिस्चार्ज कर दिए जाते हैं। सोमवार को जिला अस्पताल के डे केयर सेंटर में कुल 4 मरीजों को कीमोथैरेपी यूनिट में भर्ती रखकर कैंसर प्रोग्राम नोडल अधिकारी डॉ. विशाल श्रीवास्तव के ऑब्जर्वेशन में मरीजों को कीमोथैरेपी दी गई। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि इस यूनिट में कैंसर रोगियों को सुरक्षित और प्रभावी ढंग से कीमोथैरेपी की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने बताया कि यहां पर 20 प्रकार की दवाइयां व इंजेक्शन उपलब्ध है जो कि बहुत महंगे हैं, लेकिन मरीजों को निःशुल्क प्रदान किए जाते हैं।

कैंसर प्रोग्राम नोडल अधिकारी डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि यहां सभी प्रकार के कैंसर के मरीजों जैसे कि सर्वाइकल कैंसर, स्तन कैंसर, ओरल कैंसर, पेट का कैंसर, आहार नली का कैंसर, पैंक्रियाज का कैंसर के मरीजों को यहां पर कीमोथैरेपी दी जाती है। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में लगभग 25 मरीजों की नियमित रूप से कीमोथैरेपी चल रही है। अन्य मरीज फॉलोअप के लिए भी रेगुलर आते हैं, जिनका हर 3 एवं 6 महीने में फॉलोअप किया जाता है। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में सीटी स्कैन एवं बायोप्सी की सुविधा भी उपलब्ध है।

ई-उपार्जन पोर्टल पर चना फसल का पंजीयन 20 फरवरी 2026 से 16 मार्च 2026 तक किया जायेगा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ई-उपार्जन पोर्टल पर रबी मौसम 2025-26 में चना फसल का 20 फरवरी 2026 से 16 मार्च 2026 तक अपने नजदीकी पंजीयन केन्द्र पर पंजीयन करवाकर सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ लेवें। किसान भाई चना फसल का पंजीयन ग्राम पंचायत/जनपद पंचायत में स्थापित सुविधा केन्द्रों, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्रों तथा सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन सस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र एवं एम.पी. किसान एप आदि पर पंजीयन की निः शुल्क व्यवस्था है, तथा एम. पी. ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस कियोस्क लोक सेवा केन्द्र पर एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे आदि पर सः शुल्क पंजीयन व्यवस्था है।

पंजीयनः- चना फसल का पंजीयन भी गेहूं फसल के निर्धारित पंजीयन केन्द्रों पर किया जा सकेगा जिले के निर्धारित 18 पंजीयन केन्द्रों पर कार्यालयीन समय में ई-उपार्जन पोर्टल पर निःशुल्क पंजीयन करवा सकते है। किसान के विगत वर्ष के पंजीयन में उल्लेखित आधार नंबर, बैंक खाता, मोबाइल नंबर में किसी प्रकार के परिवर्तन/संशोधन की आवश्यकता होने पर संबंधित दस्तावेज प्रमाण स्वरूप (जिनको देखकर पंजीयन किया जा सके) पंजीयन केन्द्र पर लाना होगे। जिन किसानों द्वारा विगत रबी एवं खरीफ में पंजीयन नहीं कराया गया था एवं ई-उपार्जन पोर्टल पर उनका डाटाबेस उपलब्ध नहीं है, ऐसे किसानों को समिति स्तर पर पंजीयन हेतु आधार नंबर, बैंक खाता नंबर, मोबाइल नंबर एवं निर्धारित प्रारूप में आवेदन पंजीयन केन्द्र पर उपलब्ध कराना होगा। गिरदावरी किसान एप से पंजीयन के समय किसान की बैंक की पास बुक (प्रथम पृष्ट जिसमें बैंक खाते का विवरण हो) को स्केन कर अपलोड करना होगा। सिकमीधारी कृषक एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल समिति स्तर पर होगी उपलब्ध होगी। वनाधिकारी पट्टाधारी/सिकमीदार किसानों को वन पट्टा एवं सिकमी अनुबंध की प्रति उपलब्ध कराना होगी। पंजीयन हेतु कृषक का एक ही बैंक खाता पर्याप्त है, दूसरे बैंक खाते की आवश्यकता नहीं है।

यदि कोई कृषक निर्धारित अन्तिम 16 मार्च 2026 तक पंजीयन नहीं करवाऐंगें तो शासन की उपार्जन व अन्य योजनाओं के लाभ से वंचित रह जायेंगे। कृषक बंधुओं से आग्रह है कि कृषक अपने पंजीयन हेतु वांछित समस्त दस्तावेजों तथा अपने मोबाईल के साथ पंजीयन केन्द्र आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था राणापुर, रजला, पारा, कालीदेवी, झाबुआ, कल्याणपुरा, पेटलावद, रायपुरिया, बामनिया, झकनावदा, सारंगी, करवड़, नौगावा, मठमठ और बोलासा तथा सहकारी विपणन संस्था मर्या. मेघनगर, थांदला, पेटलावद जिला झाबुआ पर तत्काल पहुँचकर पंजीयन करावें। पंजीयन हेतु जिले में 18 निर्धारित पंजीयन केन्द्रों में सम्पर्क कर पंजीयन करवा सकते है।

समूह की महिलाएं गांवों में बैंकिंग सुविधा देकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगी

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में ग्रामीण आजीविका मिशन के महिला स्व-सहायता समूहों की 2 महिला बैंक सखियों श्रीमती मनीषा पटेल और श्रीमती सुनीता ओसवाल को लैपटॉप प्रदान किए। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा, अपर कलेक्टर श्री के. आर. बड़ोले, एसडीएम पुनासा श्री पंकज वर्मा सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

आजीविका मिशन के जिला समन्वयक श्री आनन्द शर्मा ने इस अवसर पर बताया कि आजीविका मिशन के महिला स्व-सहायता समूहों की कुल 26 महिलाओं को आरसेटी के माध्यम से बैंक सखी सम्बंधी प्रशिक्षण दिलाया गया है। उन्होंने बताया कि छैगांवमाखन विकासखण्ड के ग्राम बरूड़ के चांदनी स्वसहायता समूह की श्रीमती मनीषा पटेल तथा खण्डवा विकासखण्ड के ग्राम रोशनाई के शांति स्व सहायता समूह की श्रीमती सुनीता ओसवाल ने अपने समूह से ऋण लेकर लैपटॉप क्रय किए हैं। ये बैंक सखियां ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल लेनदेन एवं बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराएंगी। इससे इनकी आय में वृद्धि होगी और ये आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी। ये बैंक सखियां स्व सहायता समूहों की राशि के लेनदेन के साथ साथ बैंक खाते खोलना, बीमा सेवा, अटल पेंशन योजना, आधार व समग्र केवायसी, आयुष्मान कार्ड डाउनलोड करने जैसे कार्य भी करेंगी। इससे इन्हें नियमित आय होती रहेगी।

समन्वित खेती ही किसान की आजीविका का मुख्य आधार

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। झाबुआ जिला खेती किसानी में खाद्यान्न फसलों के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों के उत्पादन और विविधता के लिए सम्पूर्ण अंचल में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। जिले में लंबे रेशे वाला कपास, मक्का, सोयाबीन, उड़द, मूंगफली के साथ-साथ टमाटर, मिर्च एवं अमरूद जैसी उद्यानिकी फसलों का भी व्यापक उत्पादन होता है। कृषि को लाभ का उद्यम बनाने तथा किसानों को उद्यमिता की दिशा में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय कृषि विज्ञान मेला सह सेमीनार के द्वितीय दिवस विविध गतिविधियों एवं तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया।

मेले के दूसरे दिवस जिला पंचायत सदस्य श्री सोनू चौहान, श्री बहादुर हटीला एवं भारतीय किसान संघ के जिला प्रमुख श्री बच्चु सिंह मेडा की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। अतिथियों ने किसानों को शासन की कृषक कल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया। श्री सोनू चौहान ने किसानों की आय वृद्धि हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी, वहीं श्री बहादुर हटीला ने भूमि स्वास्थ्य संवर्धन एवं नियमित मिट्टी परीक्षण के महत्व पर बल दिया।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को ÷कृषक कल्याण वर्ष÷ के रूप में मनाए जाने के क्रम में डिजिटल कृषि पहल अंतर्गत उर्वरक वितरण की ई-विकास प्रणाली की जानकारी जिले के उप संचालक कृषि श्री नगीन सिंह रावत द्वारा दी गई। उन्होंने ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से उर्वरक प्राप्ति की सरल प्रक्रिया समझाई। सहायक संचालक उद्यानिकी श्री बी.एस. चौहान ने उच्च मूल्य की उद्यानिकी फसलों को अपनाने एवं खाद्य प्रसंस्करण योजनाओं से जुड़ने का आग्रह किया। सहायक संचालक श्री सुरसिंह रावत ने भी किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

तकनीकी सत्रों में जिले के प्रगतिशील कृषक श्री विमल भाबोर, श्री वेस्ता भाई, कृषि सखी श्रीमती जमुना धन्नालाल कटारा, श्रीमती सुगुना परमार, श्री दलसिंह परमार (सजेली नरसिंहपुरा), श्री कमलेश सोलंकी (कंजावानी) एवं श्री राफेल आंतोंन भूरिया ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने आधुनिक एवं उन्नत खेती पद्धतियों पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया।

इफको के जिला प्रतिनिधि श्री संदीप राजपूत एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के श्री युवराज पाटीदार ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. दिवाकर, उद्यानिकी विभाग के तकनीकी सहायक श्री बल्लू सिंह चौहान, कृषि विज्ञान केंद्र आलीराजपुर के विशेषज्ञ श्री मुकेश बेनल एवं कृषि विज्ञान केंद्र झाबुआ के डॉ. विनय सिंह ने वैज्ञानिक खेती एवं तकनीकी नवाचारों पर विस्तार से जानकारी दी।

मेले में विभिन्न विभागों, स्वैच्छिक संगठनों, कृषि सखियों एवं एफपीओ द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई। किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, उद्यानिकी विभाग, आयुष विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि अभियांत्रिकी, स्वास्थ्य विभाग तथा आजीविका मिशन की दीदियों द्वारा योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। उप संचालक कृषि श्री एन.एस. रावत एवं सहायक संचालक उद्यानिकी श्री बी.एस. चौहान ने जैविक बाजार लगाने वाले किसानों एवं प्रदर्शनी में सहभागिता करने वाले विभागों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

द्वितीय दिवस पर जैविक एवं प्राकृतिक खेती से उत्पादित अनाज, फल एवं सब्जियों का जैविक हाट विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। ई-विकास प्रणाली एवं प्राकृतिक खेती के सेल्फी पॉइंट को भी किसानों एवं अतिथियों द्वारा सराहा गया।

कार्यक्रम का संचालन श्री मोहन डामोर एवं श्री गोपाल मुलेवा ने किया तथा आभार प्रदर्शन सहायक संचालक कृषि श्री संतोष सिंह मौर्य द्वारा किया गया। आयोजन की सफल संचालन में सहायक संचालक कृषि श्री एच.एस. चौहान, श्री संतोष सिंह मौर्य, श्री एस.एस. रावत, श्री एल.एस. चारेल एवं श्री माल सिंह धारवे सहित कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के समस्त अमले का सक्रिय सहयोग रहा।

भगोरिया पर्व के पूर्व ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यवाही- 18 लीटर एक्सपायरी कोल्डड्रिंक नष्ट

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार आगामी भगोरिया हाट-बाजार एवं होली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा विशेष जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत दूध एवं दुग्ध उत्पाद, मिठाइयों तथा विशेष रूप से कोल्डड्रिंक की गुणवत्ता की सघन जांच की जा रही है। 22 फरवरी 2026 को खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राहुल सिंह अलावा द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों कंजावानी, रुपखेड़ा एवं समोई में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भोंगारिया में प्रचलित रूप से विक्रय किए जाने वाले पान मसाला, नमकीन, कोल्डड्रिंक आदि खाद्य पदार्थों के कुल 14 नमूने जांच हेतु लिए गए। रुपखेड़ा में जांच के दौरान 18 लीटर एक्सपायरी कोल्डड्रिंक पाए जाने पर उसे मौके पर ही नष्ट कराया गया। इसके अतिरिक्त तारखेड़ी एवं उमरकोट में हाट-बाजार के पूर्व रेस्टोरेंट एवं किराना दुकानों का निरीक्षण कर 5 नमूने जांच हेतु संकलित किए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आम उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे खाद्य सामग्री क्रय करते समय पैकेट पर अंकित निर्माण एवं समाप्ति तिथि अवश्य देखें तथा गुणवत्ता सुनिश्चित कर ही सामग्री खरीदें। विभाग द्वारा आगामी दिनों में भी जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा।

सिकल सेल एनिमिया शुक्त भारत अभियान अंतर्गत शिविर का आयोजन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिकल सेल एनिमिया मुक्त भारत अभियान अंतर्गत कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन मे सिकल सुरक्षा अभियान के तहत पेंशन, उपचार और सहारा- हर मरीज का अधिकार दिनांक 30 जनवरी 2026 से 25 फरवरी 2026 तक चलाया जा रहा है। विकासखण्ड पानसेमल ने 21 फरवरी तक पीओसीटी जाँच मे रिऐक्टिव पाये गये मरिजों की इलेक्ट्रोफोरेसीस जॉच हेतु कुल 126 नगुनों को संग्रहित कर जिला स्तर पर जाँच हेतु भेजा गया जिसमे से कुल 68 मरीज 40 प्रतिशत से अधिक पोजिटीव पाये गये। मरिजों को शासन स्तर से हितलाभ प्रदायगी हेतु सिकल सेल शिविर का आयोजन 23 फरवरी सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पानसेमल प्रांगण में किया गया। सिकल सेल उन्मुलन कार्यक्रम अंतर्गत सिकल सेल एनिमिया से ग्रसित गरिजों का चिन्हांकन एवं उन्हे दिव्यांगता प्रमाण-पत्र यूडीआईडी एवं उपचार के साथ ही टीकाकरण कार्य किया।

सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों का समय पर निराकरण करें, अन्यथा होगी कार्यवाही

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में दर्ज अपने अपने विभाग से सम्बंधित शिकायतों का समय सीमा में निराकरण करें। समय सीमा में निराकरण न करने के कारण सीएम हेल्पलाइन की रेटिंग में जिन अधिकारियों की ग्रेड खराब होगी, उनके विरूद्ध वेतन काटने एवं अन्य कार्यवाही की जाएंगी। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा, अपर कलेक्टर श्री के. आर. बड़ोले, एसडीएम पुनासा श्री पंकज वर्मा सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि फार्मर रजिस्ट्री तथा समग्र व ई-केवायसी लिंकिंग सम्बंधी कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण कराएं, ताकि ग्रामीणजनों को सरकारी योजनाओं के तहत सहायता मिलती रहे।

अधूरी पेयजल योजनाओं को शीघ्रता से पूर्ण करें - कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में जल जीवन मिशन के तहत संचालित पेयजल योजनाओं की भी विस्तार से समीक्षा की और निर्देश दिए कि पूर्ण हो चुकी पेयजल योजनाओं को पंचायतों को हस्तांतरित करें। बैठक में बताया गया कि कुल 502 पेयजल योजनाओं में से 406 योजनाएं हस्तांतरित हो चुकी हैं, 96 योजनाओं का हस्तांतरण होना शेष है। इसके अलावा 39 पेयजल योजनाएं अभी प्रगतिरत हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने अधूरी पेयजल योजनाओं को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश लोक स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत पात्रता अनुसार हर व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिले- कलेक्टर श्री गुप्ता ने संकल्प से समाधान अभियान की अब तक की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जिला अधिकारियों और एसडीएम को शिविरों में जाकर विभागीय योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को दिलाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बैठक में संकल्प से समाधान अभियान की विस्तार से समीक्षा की और निर्देश दिए कि शिविरों के आयोजन से पूर्व उनके स्थान और तिथि का व्यापक प्रचार प्रसार करें। उन्होंने कहा कि शिविर से एक दिन पूर्व गांव में मुनादी करायें, ताकि अधिक से अधिक लोग शिविर में लाभान्वित हो सकें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि शिविर में जो आवेदन अपात्रता के कारण अस्वीकृत किए जा रहे हैं उन आवेदकों को अपात्रता का स्पष्ट कारण बताते हुए आवेदन अस्वीकृत किया जाए। उन्होंने एसडीएम एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपात्रता के कारण निरस्त आवेदनों की एक बार फिर से जांच कर लें और सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना का लाभ लेने से वंचित न रह जाए।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम मोह सुलेमान नागोरी पिता मोह इलियास नागोरी था जो परिवर्तित होकर मोहम्मद सुलेमान नागोरी(MOHAMMED SULEMAN NAGORI) पिता मोहम्मद इलियास नागोरी (MOHAMMAD ILIYAS NAGORI)हो गया है। अतः अब मुझे मोहम्मद सुलेमान नागोरी पिता मोहम्मद इलियास नागोरी के नाम से जाना व पहचाना जावे।

मोहम्मद सुलेमान नागोरी पिता मोहम्मद इलियास नागोरी, 202 नागोरी कॉलोनी महिदपुर, उज्जैन, म.प्र 456443

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम अकीलबानो पति मो सुलेमान था जो परिवर्तित होकर अकीला बानो पति मोहम्मद सुलेमान नागोरी हो गया है। अतः अब मुझे अकीला बानो पति मोहम्मद सुलेमान नागोरी के नाम से जाना व पहचाना जावे।

अकीला बानो पति मोहम्मद सुलेमान नागोरी, 202 नागोरी कॉलोनी महिदपुर, उज्जैन, म.प्र 456443

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

घाट निर्माण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, इंजीनियरों से रोज साइट निरीक्षण कर रिपोर्ट देने को कहा

जीवनखेड़ी में नवीन घाट कार्य का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण, गुणवत्ता में कमी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर प्रशासन अब पूरी तरह सख्त नजर आ रहा है। घाट निर्माण कार्यों में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं चलेगी। सोमवार को कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जीवनखेड़ी क्षेत्र में बन रहे नवीन घाटों का औचक निरीक्षण कर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि इंजीनियर अब केवल कागजों पर नहीं, बल्कि मौके पर रहकर काम की निगरानी करेंगे।

सोमवार सुबह कलेक्टर ने करीब 29 किलोमीटर से अधिक लंबाई में चल रहे नवीन घाट निर्माण कार्य का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण की प्रगति के साथ गुणवत्ता की भी बारीकी से जांच की।

अर्थवर्क और जीएसबी (ग्रेन्युलर सब बेस) लेयर के कार्य को खुदवाकर देखा और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता परखी। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि निर्माण कार्य में किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाए।

हर दिन अलग-अलग साइट पर जाएंगे इंजीनियर- मौके पर मौजूद जल संसाधन विभाग के सिंहस्थ अनुभाग के सभी 13 इंजीनियरों को कलेक्टर ने निर्देशित किया गया कि वे प्रतिदिन अलग-अलग निर्माण स्थलों का अनिवार्य निरीक्षण करेंगे। प्रत्येक इंजीनियर को अपनी डेली रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

यह निर्देश भी दिए कलेक्टर ने

-केवल फाइलों में प्रगति दिखाना पर्याप्त नहीं होगा।

-कार्यस्थल पर उपस्थित रहकर निगरानी करना अनिवार्य है।

-लापरवाही या गुणवत्ता में कमी मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

की-वॉल और टो-वॉल का काम तेज- निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में की-वॉल और टो-वॉल निर्माण का कार्य तेजी से जारी है। कलेक्टर ने कार्य की गति बनाए रखने के साथ-साथ गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

आज से होलाष्टक... 8 दिन नहीं हो सकेंगे शुभ कार्य

3 मार्च को शाम 7 बजे से मुहूर्त के अनुसार आरंभ होगा होलिका दहन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आज फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी से होलाष्टक प्रारंभ हो जाएगा और 3 मार्च को होली का दहन के साथ इसका समापन होगा। इस दौरान 8 दिन की अवधि में मांगलिक कार्य नहीं हो सकेंगे। होलिका दहन का मुहूर्त भी शाम 7 बजे के लगभग शुरु होगा।

ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला ने बताया कि होलाष्टक आज 24 फरवरी को सुबह 7 बजकर 2 मिनट से शुरू होगा। इस दौरान होलिका दहन तक आठ दिनों में सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु सहित आठों ग्रह उग्र स्वभाव में रहते हैं। होलाष्टक में भगवान विष्णु, शिवजी, हनुमानजी और भक्त प्रह्लाद की पूजा करना चाहिए। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक भद्रा रहित, प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा तिथि होलिका दहन के लिए उत्तम मानी जाती है।

यदि भद्रा रहित, प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा का अभाव हो, लेकिन भद्रा मध्य रात्रि से पहले समाप्त हो जाए तो प्रदोष के बाद जब भद्रा समाप्त हो, तब होलिका दहन करना चाहिए। 3 मार्च को चंद्रग्रहण है। ग्रहण समाप्ति का समय शाम 06.47 बजे है। अत- ग्रहण समाप्ति के बाद प्रदोष काल में एकम तिथि के बावजूद होलिका दहन कर सकते हैं। ऐसे में कल से गृह प्रवेश, मुण्डन संस्कार, विवाह संस्कार आदि मांगलिक कार्य नहीं हो सकेंगे और इन पर ब्रेक लग जाएगा।

खग्रास चंद्रग्रहण भी रहेगा- 3 मार्च को होलिका दहन के दिन खग्रास चंद्रग्रहण लगेगा। यह सुबह 6 बजकर 20 मिनट से आरंभ होगा। जबकि दोपहर 3 बजकर 20 मिनट ग्रहण का स्पर्श काल शुरु हो जाएगा और शाम 6 बजकर 47 मिनट पर समापन होगा। इस प्रकार कुल 3 घंटे 27 मिनट ग्रहण की अवधि रहेगी।

केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड की गाइड लाइन की नजर अंदाजी कर रहे अनेक मैरिज गार्डन

वेस्ट हुआ खाना और अन्य दूषित पदार्थों को नाली में मिलने से रोकने के लिए अधिकांश में नहीं है प्राइमरी ट्रीटमेंट प्लांट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में 250 से ज्यादा छोटे और बड़े मैरिज गार्डन व बैंक्विट हॉल है, लेकिन वर्तमान में इनमें से 70 प्रतिशत से अधिके संस्थाओं ने भी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है। इतना ही नहीं विभाग की गाईडलाईन के मुताबिक ज्यादातर मैरिज गार्डन में वेस्ट हुआ खाना और अन्य दूषित पदार्थों को नाली में मिलने से रोकने के लिए प्राइमरी ट्रीटमेंट प्लांट भी नहीं लगाए हैं।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने वर्ष 2021 में एनजीटी के आदेश पर इसके संबंध में गाइडलाइन बनाकर सभी राज्यों व केंद्र शासित राज्यों को भेज थी, लेकिन परिणाम काफी निराशाजनक रहा। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी सीपीसीबी बनाई गई गाइडलाइन का पालन कराने का निर्देश दिये थे। गार्डन व हॉल संचालकों को प्राइमरी ट्रीटमेंट प्लांट लगाना अनिवार्य किया था। इसमें स्क्रीन लगाकर भोजन सामग्री को नाली में पहुँचने से रोका जाता है। इसके बाद सेपरेटर लगाना होगा, जो ऑयल और ग्रीस को पानी से अलग करेगा। शेष पानी सैडलिंग पिट के माध्यम से होता हुआ सीवर में जाएगा। पिट में ठोस अपशिष्ट बैठ जाएगा, जबकि पानी सीवर में चला जाएगा। ईफलुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) लगाने की स्थिति में साफ किए गए पानी का गार्डनिंग सहित अन्य कार्यों में उपयोग करना अनिवार्य किया था। मैरिज गार्डन व बैंक्विट हाल का क्षेत्रफल काफी ज्यादा होता है। इसमें खुला क्षेत्री भी ज्यादा होता है, साथ ही छत भी काफी बड़ी रहती है। इसको ध्यान में रखते हुए बारिश के पानी को बचाने के लिए वाटर हार्वेसिंटग किट लगाने के निर्देश थे। बता दें कि इंदौर रोड़, देवास रोड़, आगर रोड़ और खासकर सिंहस्थ क्षेत्र में आने वाले मंगलनाथ मार्ग पर अनेक मैरिज गार्डन चल रहे हैं और नियमों का पालन नहीं हो रहा है।

चना एवं मसूर समर्थन मूल्य पर किसान पंजीयन के लिए उज्जैन जिले में 146 पंजीयन केंद्र बनाए गए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन जिले में चना एवं मसूर समर्थन मूल्य पर किसान पंजीयन के लिए उज्जैन जिले में 146 पंजीयन केंद्र बनाएं गए है। रबी गेहूं के लिए पूर्व से निर्धारित किए गए पंजीयन केंद्रों पर ही किसान पंजीयन की सुविधाएं 16 मार्च तक उपलब्ध रहेंगी। जिले में उज्जैन तहसील में 19, खाचरौद तहसील में 19, घट्टिया तहसील में 17, झारडा में 08, तराना में 10, नागदा में 13, बडनगर में 35, महिदपुर में 12 तथा माकडौन तहसील में 13 चना एवं मसूर के समर्थन मूल्य पर पंजीयन कार्य के लिए किसानों की सुविधा के मद्देनजर किसान पंजीयन केंद्रों का निर्धारण किया गया है।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के अनुसार उज्जैन जिले में रबी वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) में ई-उपार्जन पोर्टल पर रबी गेहूं के लिए निर्धारित पंजीयन केंद्रों पर ही चना एवं मसूर का समर्थन मूल्य पर पंजीयन कार्य के लिए किसान पंजीयन की प्रक्रिया का निर्धारण करने के लिए किसानों की सुविधा को देखते हुए पंजीयन केंद्रों का निर्धारण किया गया है। यह पंजीयन 20 फरवरी से प्रारंभ हो गए है पंजीयन संबंधी कार्यवाही 16 मार्च 2026 तक चलेगा।

उज्जैन तहसील में सेवा सहकारी संस्था नरवर, ताजपुर, तालौद, नौगांवा, पंथपिपलाई, भेंसौदा, करोहन,नलवा, दताना,ढाबलारहवारी, उंडासा, आकासौदा, गोन्दिया, सुरजनवासा, चिंतामनजवासिया, हमीरखेडी, चंदेसरा, चिमनगंज मंडी उज्जैन, सेवा सहकारी संस्था उज्जैन, खाचरौद तहसील में सेवा सहकारी संस्था नरसिंहगढ, घिनोदा, चिरोला, नरेडीपाता, खाचरौद, मडावदा, बड़ागांव, भेहलोला, आक्याजागीर, बंजारी, संदला, सुरेल, भीकमपुर, बैडावन्या, कनवास, कमठाना, नंदियासी, उमरना, बरखेडा, घट्टिया तहसील में सेवा सहकारी संस्था घट्टिया, जैथल, निपानिया गोयल, बोरखेडा भल्ला, रूई, पानबिहार, सोडंग ,रातडिया, बिछडोद, गुराडिया गुर्जर, पिपल्याहामा, कालूहेडा, रलायता हेवत, नजरपुर, गोयलाबुजुर्ग, झितरखेडी, कालियादेह, झारडा तहसील में सेवा सहकारी संस्था झारडा, गोगाखेडा, कासोन, रनायरापीर, लोटियाजुनारदा, इंदोख, बोलखेडानाउ, खेडामदा, तराना तहसील में विपणन सहकारी समिति तराना, सेवा सहकारी संस्था सालाखेडी, दिलोद्री कनासिया, कायथा, बघेरा, सुमरोखेडा, जवासिया कुमार, काठबड़ोद, छडावद, सामगी, नागदा तहसील में सेवा सहकारी संस्था बैरछा, पासलौद, झिरन्याशेख, हिडी, बरखेडामॉडन, आलोट जागीर, उन्हेल मंडी उन्हेल, बेडावन, पिपलौदा सागोतीमाता, टूटियाखेडी, आक्यानजिक, बनबना, रूपेटा, बडनगर तहसील में सेवा सहकारी संस्था लोहाना विपणन सहकारी समिति बडनगर, आमला, जाफला रुणिजा, भाटपचलाना आदी।

मण्डी में इस बार होली से पहले गेहूँ की आवक कम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी में गत वर्ष होली के पहले गेहूँ की आवक तेज हो गई थी और यह 15 हजार बोरी से अधिक तक होने लगी थी, लेकिन इस बार होली से पहले मण्डी में औसतन 1100 से 1200 बोरी गेहूँ ही आ रहा है। उल्लेखनीय है कि गतवर्ष होली का पर्व 14 मार्च को आया था और इस बार यह पर्व 3 मार्च को आ रहा है। पिछले साल कृषि उपज मंडी में होली के पहले गेहूँ की अच्छी आवक शुरु हो गई थी। कृषि उपज मंडी कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले वर्ष 4 मार्च को मंडी में 19 हजार 800 बोरी लोकवन गेहूँ आया था। यह 1800 रूपए न्यूनतम से लेकर 3150 रूपए अधिकतम प्रति क्विंटल भाव तक बिका था। परंतु इस बार होली गत वर्ष के मुकाबले 11 दिन पहले आ रही है। यही कारण है कि मण्डी में फिलहाल 1100 से 1200 बोरी तक गेहूँ आ रहा है। रविवार अवकाश के बाद आज सुबह भी मंडी में किसान पहुंचे लेकिन गेहूँ लगभग 1100 बोरी आया। व्यापारियों का कहना है कि इस बार मण्डी में होली के बाद ही गेहूँ की बंपर आवक शुरु हो पाएगी। आज सुबह अच्छी क्वालिटी के लोकवन गेहूँ की नीलामी 2 हजार रुपए से 2700 रूपए प्रति क्विंटल तक हुई।

रमजान में ड्रायफ्रूट्स की बढ़ी माँग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रमजान माह की शुरुआत के साथ ही थोक किराना बाजार में ड्रायफ्रूट्स की माँग तेज हो गई है। मुस्लिम और बोहरा समाज के लोग इस दौरान खारक, बादाम, किशमिश, काजू टुकड़ी, तरबूज के बीज और खोपरा का विशेष रूप से इस्तेमाल करते हैं। रमजान माह की शुरुआत होते ही शहर के थोक किराना बाजार में रौनक लौट आई है। खासकर ड्रायफ्रूट्स की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है। मुस्लिम एवं बोहरा समाज में रोजा खोलने और सेहरी के दौरान ड्रायफ्रूट्स का विशेष महत्व होने के कारण इनकी मांग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा रही है। व्यापारियों के अनुसार इस दौरान खारक, बादाम, किशमिश, काजू टुकड़ी, तरबूज के बीज और खोपरा की सबसे अधिक खरीद होती है। रोजेदार दूध के साथ ड्रायफ्रूट्स का सेवन करते हैं, जिससे शरीर को आवश्यक ऊर्जा मिलती है और दिनभर ताजगी बनी रहती है। वहीं गर्मी से राहत पाने के लिए शरबत की मांग भी बाजार में तेजी से बढ़ी है। थोक किराना बाजार के व्यापारियों का कहना है कि रमजान के पूरे महीने ड्रायफ्रूट्स की बिक्री सामान्य दिनों की तुलना में कहीं अधिक रहती है। गुणवत्ता के अनुसार कीमतों में अंतर जरूर है, लेकिन मांग बनी रहने से बाजार में स्थिरता देखी जा रही है।

एक नजर में ड्रायफ्रूट्स के थोक भाव (प्रति किलो)

काजू- 800 से 1200 रुपए
बादाम- 600 से 1000 रुपए
खारक- 90 से 300 रुपए
किशमिश- 300 से 600 रुपए
पिस्ता- 1000 से 2600 रुपए
खजूर- 200 से 800 रुपए
अंजीर- 200 से 700 रुपए

मत्स्य उद्योग अधिकारी उज्जैन द्वारा फ़ाजलपुरा में थोक मत्स्य बाजार का निरीक्षण किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार को अनुराग चौधरी अपर सचिव मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग एवं प्रबंध निर्देशक मत्स्य महासंघ, श्रीमती सोना यादव उपसंचालक मत्स्य उद्योग उज्जैन संभाग उज्जैन एवं जिला मत्स्य उद्योग अधिकारी उज्जैन द्वारा फ़ाजलपुरा में थोक मत्स्य बाजार का निरीक्षण किया गया निरीक्षण कर थोक व्यापारियों एवं खेती व्यापारियों से चर्चा की गई महोदय से चर्चा कर थोक व्यापारियों द्वारा बताया गया कि फ़ाजलपुरा मत्स्य बाजार की दुकानों के आवंटन के संबंध में ईट टेंडर जारी किया गया है दुकानों के आवंटन प्रक्रिया में कोई समस्या नहीं है किंतु व्यापारियों द्वारा राशि किस्तों में जमा किए जाने का व्यापारियों द्वारा दुकानों को लेने में सहमति दर्ज की गई। श्री चौधरी द्वारा जिलाधिकारी उज्जैन को निम्नानुसार निर्देश दिए गए खेरची व्यापारियों हेतु फिश पार्लर आवंटन के प्रस्ताव हेतु निर्देशित किया ,व्यापारियों को ऋण सुविधा प्रदान करने हेतु किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जाएं मैथ्स विक्रेताओं का रजिस्ट्रेशन कर मछुआ परिचय पत्र बनाए जाकर माह अप्रैल तक वितरण हेतु कहा गया मत्स्य परिवहन हेतु मोटरसाइकिल विथ इंसुलेटेड बॉक्स हेतु आवेदन करने के लिए व्यापारियों को मार्गदर्शन प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया एवं संचालक मत्स्य उद्योग भोपाल को प्रस्ताव प्रेषित कर चर्चा हेतु निर्देशित किया गया फाजलपुर थोक मत्स्य बाजार के संचालक को प्रभावी रूप से क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया जिससे मछुआरों को लाभ मिल सके।

निजी विद्यालयों के संचालक विद्यार्थियों अथवा उनके अभिभावकों को पुस्तकें, यूनिफॉर्म आदि चयनित विक्रेताओं से क्रय करने के लिए बाध्य नहीं करेंगे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री रौशन कुमार सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1) के तहत स्कूल संचालकों, प्रकाशकों एवं विक्रेताओं के एकाधिकार को समाप्त करने के लिए आदेश जारी किए है।

आदेश के तहत स्कूल संचालक / प्राचार्य स्कूल में संचालित प्रत्येक कक्षा के लिए अनिवार्य पुस्तकों की सूची विद्यालय के परीक्षा परिणाम के पूर्व अपने स्कूल की वेबसाईट पर अनिवार्य रूप से अपलोड करेंगे एवं अपने स्कूल परिसर में सार्वजनिक स्थान पर चस्पा करेंगे। मान्यता नियमों के अंतर्गत वेबसाईट होना अनिवार्य है। साथ ही पुस्तकों की सूची की एक प्रति प्रवेशित अभिभावकों को प्रवेश के समय एवं परीक्षा परिणाम के समय तक उपलब्ध कराएंगे।

स्कूल संचालक / प्राचार्य, विद्यार्थी एवं उनके अभिभावकों को सूचीबद्ध पुस्तकें, परिणाम अथवा उसके पूर्व क्रय किए जाने हेतु बाध्य नहीं करेगें अभिभावक पुस्तकों की उपलब्धता के आधार पर 15 जून 2026 तक क्रय कर सकेगें। ऐसी स्थिति में अप्रैल माह में प्रारंभ होने वाले शैक्षणिक सत्र प्रथम तीस दिवस की अवधि 01 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक के मध्य का उपयोग विद्यार्थियों के ओरिएंटेशन, व्यावहारिक व मनोवैज्ञानिक पद्धति से शिक्षण में किया जा सकता है।

स्कूल संचालक जिस नियामक बोर्ड यथा सी.बी.एस.ई/आई.सी.एस.ई./ माध्यमिक शिक्षा मण्डल से संबद्ध है, उस संस्था के द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम व पाठ्यक्रम के अंतर्गत नियामक संस्था अथवा उसके द्वारा विधिक रूप से अधिकृत एजेंसी यथा-एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तक निगम आदि के द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित पुस्तकों के अतिरिक्त अन्य प्रकाशकों / मुद्रकों द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पुस्तकों को विद्यालय में अध्यापन हेतु प्रतिबंधित करेंगें। स्कूल संचालक सुनिश्चित करेंगे कि उक्त के अतिरिक्त अन्य विषयों जैसे नैतिक शिक्षा, सामान्य ज्ञान, कम्प्यूटर आदि की प्रकाशकों / मुद्रकों द्वारा प्रकाशित पुस्तकें क्रय करने हेतु बाध्य नहीं किया जाएगा।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित डोंगला में एनएसएस शिविर का चौथा दिन संपन्न

एनएसएस शिविर में बौद्धिक सत्र आयोजित, विशेषज्ञों ने शिक्षा, संस्कृति और आत्मविश्वास पर किया मार्ग दर्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय , उज्जैन द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 को सबसे पहले लागू करके बहुआयामी शिक्षा और कौशल विकास के साथ कार्य करते हुए विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा हैं। इसी दिशा में राष्ट्रीय सेवा योजना का यह शिविर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा लगाया गया हैं जो ग्रामीण क्षेत्रों को शिक्षा के रूप में विकसित करने की महत्वपूर्ण पहल हैं।

उपरोक्त उद्गार सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने ग्राम डोंगला में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित किए जा रहे 07 दिवसीय शिविर के चौथे दिन बौद्धिक सत्र में अध्यक्षता करते हुए ग्रामीणों को डिजिटल शिक्षा के महत्व समझाते हुए अपने संबोधन में व्यक्त किए और शिक्षा के महत्व पर विस्तार से विचार रखें । उन्होंने नई शिक्षा नीति 2020 को सरल शब्दों में समझाते हुए भारत 2047 के विकसित राष्ट्र के लक्ष्य पर चर्चा की । उन्होंने विद्यार्थियों को बहुआयामी शिक्षा , कौशल विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 20 फरवरी से ग्राम डोंगला में आयोजित शिविर के चौथे दिवस 23 फरवरी को बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया । जिसमें स्वयंसेवकों को विविध विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया । मुख्य वक्ता के रूप में निदेशक, अश्विनी शोध संस्थान एवं कॉइन विशेषज्ञ डॉ. आर. सी. ठाकुर उपस्थित रहे ।

ससुराल आये युवक पर चाकू से हमला, मामा भी घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ससुराल आए युवक पर रात में दो युवकों ने चाकू से हमला कर दिया। बीच बचाव में आया युवक का मामा भी घायल हो गया। दोनों को उपचार के लिए चरक अस्पताल में भर्ती किया गया है। बदनावर के भैसोला चौपाटी का रहने वाला राहुल पिता रामा भील 22 वर्ष अपने ससुराल बड़नगर आया हुआ था। रात में वह मामा दशरथ पिता मांगू गामड़ के साथ टहलने के लिए निकला। बस स्टेण्ड के पास खौप दरवाजा पर अण्डे की दुकान पर दोनों रुक गए। मामा एंड लेने चला गया उसी दौरान वहां पहुंचे बड़नगर के ही दो बदमाशों बद्री मोरवाल और राकेश ने राहुल से शराब पीने के रुपए मांगे। राहुल ने रुपए देने से मना किया तो दोनों बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। राहुल के साथ मारपीट और चाकूबाजी देख मामा दशरथ बीच बचाव करने आया तो दोनों हमलावरों ने उस पर भी चाकू से वार कर दिए। दोनों घायल हो गए। उन्हें बड़नगर अस्पताल ले जाया गया। जहां से उपचार के लिए उज्जैन भेजा गया है। बड़नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार के अनुसार मामले में दोनों बदमाशों के खिलाफ चाकूबाजी, मारपीट और अवैध वसूली का प्रकरण दर्ज कर तलाश की जा रही है। हमलावर बड़नगर से फरार हो चुके हैं। उनके परिजनों से संपर्क कर दोनों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

राजपुताना अंदाज में खेला फाग उत्सव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा महिला प्रकोष्ठ द्वारा , रविवार को रामानुज कोट में राजपुताना अंदाज में फाग उत्सव मनाया गया अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा महिला प्रकोष्ठ शहर कार्यकारी अध्यक्ष सुश्री ममता गौड़ ने बताया कि उत्सव में राधा कृष्ण के रूप में सजी बलिकाओ के साथ फूलों की होली खेली गई साथ ही गेम्स भी खेलें गये, इसके बाद

क्षत्राणियों को सम्मानित किया गया वहीं पर्यावरण और पानी को सुरक्षित रखते हुए सेफ होली खेलने का संदेश भी दिया , उत्सव मे मुख्य रूप से श्रीमती शशि अनिल सिंह चंदेल , हेमंत कुंवर राठौर, राजकुमारी ठाकुर, अनिता नरूका, हेमलता दीखित, बाला पवार, मंजू तोमर, सपना जादौन, रेखा चौहान, आरती जादौन, रजनी सिकरवार, निर्मला चौहान, निर्मला सिसोदिया अंजू राजपूत, प्रेम कुंवर चौहान , शकुंतला ठाकुर, अपर्णा गहलोत, पुष्पा कुशवाहा, ममता चौहान,हेमलता गौर, राधा कृष्ण के रूप में सुश्री देवयानी सिंह गौड़ और सुश्री कृतिका गोंड बहुत ही सुंदर रूप में उपस्थित रही ।

मजदूर पर चढ़ा बिजली की केबल से भरा ट्रक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बिजली विभाग के गोदाम पर खाली होने आया केबल से भरा ट्रक मजदूर पर चढ़ गया। दबाने से मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर ट्रक जप्त किया है।

नागदा थाना क्षेत्र के ग्राम कचनारिया फंटा पर बिजली विभाग का गोदाम बना हुआ है जहां पर राजस्थान पासिंग ट्रक केबल के बड़े रोल लेकर आया था। केबल गोदाम में खाली होना थी, इस दौरान मजदूर मोहम्मद शब्बीर पिता गनी मोहम्मद मंसूरी निवासी राजस्थान के देशवाली मोहल्ला शाहपुरा भी ट्रक चालक के साथ आया हुआ था। वह ट्रक में भारी केवल खाली करने के लिए नीचे खड़ा हुआ था इस दौरान चालक ने ट्रक रिवर्स लिया। नीचे खड़ा मोहम्मद शब्बीर अचानक गिर पड़ा जिसके ऊपर ट्रक का पहिया चढ़ गया। दबने पर मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा होते ही हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को हिरासत में लेकर ट्रक जप्त कर लिया। सोमवार सुबह मृतक मजदूर का पोस्टमार्टम कराया गया है।

जोधपुर-इंदौर ट्रेन से गिरा युवक, हालत गंभीर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ से इंदौर की यात्रा कर रहा युवक चलती ट्रेन से गिर गया। गंभीर रूप से घायल होने पर उसे 108 एंबुलेंस से शासकीय अस्पताल लाया गया। जहां उसका उपचार जारी है। घटना की जानकारी लगने पर घायल के परिजन उज्जैन पहुंच गए थे।

महिदपुर रोड रेलवे ट्रैक से रविवार सोमवार रात गंभीर हालत में एक युवक को एंबुलेंस से उज्जैन लाया गया। उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी। डॉक्टर ने उपचार के लिए भर्ती किया। सोमवार सुबह युवक को होश आने पर सामने आया कि वह गरोठ के ग्राम कुड़ावद को रहने वाला गोलू पिता भागीरथ है। जोधपुर इंदौर ट्रेन से वह शादी में शामिल होने के लिए इंदौर जा रहा था। ट्रेन के गेट पर खड़े होकर यात्रा कर रहा था तभी अचानक संतुलन बिगड़ने पर गिरा है। घायल की सूचना उसके पास मिले दस्तावेजों के आधार पर रात में ही परिजनों को दे दी गई थी। जो सुबह अस्पताल पहुंचे थे। पुलिस द्वारा घायल के बयान दर्ज किए गए हैं।